P372

इंदौर, सोमवार 22 दिसंबर 2025
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 48
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

प्राइवेट स्कूल की मान्यताओं में फिर चलेगा लिफाफे का जादू

पेज-2

कुब्रा सैत ने सियांग नदी पर पूरा किया राफ्टिंग अभियान

पेज-5

एसआईआर में 1.33 लाख मतदाताओं को नोटिस

पेज-6

फिर टल सकती हैं निगम-मंडलों में नियुक्तियां

अमित शाह के दौरे के चलते होल्ड की जा सकती है सूची, अब नए साल में जा सकता है मामला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश के निगम-मंडल, विकास प्राधिकरणों में नियुक्ति का सपना पाले नेताओं को इंतजार फिर लंबा हो सकता है। सत्ता और संगठन इस मामले में किसी जल्दबाजी के पक्ष में नहीं है। गृह मंत्री आमित शाह 25 दिसम्बर को मध्यप्रदेश के ग्वालियर दौरे पर आ रहे हैं। उससे पहले स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का भोपाल और बैतूल दौरा है। उसके बाद ही अब सूची जारी करने पर विचार किया जाएगा। वहीं संगठन के सूत्र नए साल में सूची जारी करने होने की बात कह रहे हैं। गौरतलब है कि निगम मंडलों में नियुक्तियों को लेकर सबसे पहली बैठक एक सितम्बर को हुई थी। इसमें सत्ता और संगठन के बड़े नेता शामिल हुए थे। इसके बाद तीन दौर की बैठकें हो चुकी है। इसमें मामले में संघ के दो बड़े नेताओं की राय भी ला जा चुकी है। सूत्रों की माने तो सभी से चर्चा के बाद करीब एक दर्जन से अधिक नामों पर सहमति बन चुकी है। पिछले हफ्ते सीएम हाऊस में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश के साथ प्रमुख नेताओं की बैठक के बाद माना जा रहा था कि जल्द ही सूची का ऐलान कर दिया जाएगा। फिलहाल सरकार का सारा ध्यान ग्वालियर में हो रहे अभ्युदय मध्यप्रदेश की तैयारियों पर है। सत्ता और संगठन के नेता इस आयोजन की तैयारियों में जुटे हैं। इसके चलते सूची आने में देर हो सकती है। एक चर्चा यह भी है कि 16 दिसम्बर से खरमास शुरू हो चुके हैं। यह एक महीने तक चलेंगे। ऐसे में यह भी संभावना व्यक्त की जा रही है कि सूची मकर संक्रान्ति के बाद जारी हो पाए।

जीएसटी की धमक से कारोबारी रविवार को भी बाजारों में पसरा

15 अधिकारियों की टीम और भी कार्रवाई कर सकती है

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जीएसटी की धमक से कारोबारियों में दहशत का माहौल बना हुआ है। सूत्र बताते हैं टीम और भी कार्रवाई कर सकती है। राज्य के जीएसटी (एसजीएसटी) ने शनिवार को सराफा बाजार में गहनों के कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश दी थी, स्टेट जीएसटी की एंटी इवेजन विंग ने सोने चांदी का व्यापार करने वाली तीन दुकानों पर कार्रवाई की थी। कारोबारियों में दबिश की धमक से सभी दहशत में है इस कारण अगले दिन बाजार में पूरी तरह से सन्नाटा पसरा रहा। सूत्र बताते हैं कि टीम अधिकारी रविवार को भी वहां पहुंचे थे, लेकिन बाजार में रविवार को पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा।

करीब 15 अधिकारियों की आशंका में जांच को शुरू-बिना बिल के कारोबार करने और टैक्स चोरी की आशंका में जांच को शुरू किया गया है। जीएसटी ने लंबे अरसे बाद गहनों के कारोबारियों को जांच के दायरे में शामिल किया है। सोने-चांदी के मूल्य पर 3 प्रतिशत की दर से जीएसटी लागू होता है। इसके साथ कीमती धातुएं के गहनों को बनाने पर लिए जाने वाले मैकिंग चार्ज पर अतिरिक्त 5 प्रतिशत जीएसटी लिया जाता है। सोने-चांदी की कीमतों में इस साल बेतहाशा तेजी आने के बाद उसके मूल्य के अनुसार टैक्स भी खुद-ब-खुद बढ़ गया है। ऐसे में जीएसटी विभाग को आशंका है कि बड़े पैमाने पर बिना बिल व्यापार किया जा रहा है। साथ ही टैक्स बचाने के लिए अंडर बिलिंग भी की जा रही है।

12 हजार विद्यार्थियों की डेढ़ लाख कॉपियां जांची जाएंगी, टेंडर की तैयारी

डीएविवि नए साल में प्रारंभ करेगा डिजिटल वैल्यूएशन की प्रक्रिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय नए साल में नई शुरुआत करने जा रहा है। विश्वविद्यालय एमबीए की परीक्षा से डिजिटल वैल्यूएशन प्रक्रिया शुरु वाला है। विश्वविद्यालय से संबंद्ध महाविद्यालयों के एमबीए के करीब 12 हजार विद्यार्थियों की डेढ़ लाख कॉपियां डिजिटल प्रक्रिया से जांची जाएगी। इसके टेंडर को लेकर विश्वविद्यालय ने तैयारी शुरु कर दी है। प्रबंधन के अनुसार अप्रैल-मई 2026 में यह प्रक्रिया शुरु कर दी जाएगी। एमबीए के बाद अन्य पाठ्यक्रमों पर इसे लागू किया जाएगा। हालांकि डिजिटल वैल्यूएशन प्रक्रिया अपनाने से पहले विश्वविद्यालय को तमाम परेशानियों का भी सामना करना पड़ेगा। इसमें सबसे बड़ी चुनौती है शिक्षकों को कम्प्यूटर फ्रेंडली बनाना।

नजर आ रही मूलभूत सुविधाओं की कमी: प्रबंधन की योजना इसी सत्र दिसंबर से डिजिटल वेल्यूएशन शुरु करने की थी, लेकिन तकनीकी परेशानियों के चलते यह संभव नहीं हो पाया। अब यह प्रक्रिया टेंडर के माध्यम से की जाएगी। शिक्षकों को डिजिटल वेल्यूएशन शुरु करने से पहले प्रशिक्षण दिया जाएगा। भले ही ट्रेनिंग देने की जिम्मेदारी संबंधित कंपनी की रहेगी, लेकिन इस दिशा में विश्वविद्यालय को भी शिक्षकों को अपडेट करने की जिम्मेदारी उठाना रहेगी। विश्वविद्यालय भले ही इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन कई मूलभूत सुविधाओं की कमी भी आड़े आ रही है।

परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने पर है जोर: विश्वविद्यालय प्रबंधन परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने पर जोर दे रहा है। वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षा व रिजल्ट की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

लापरवाही की कीमत चुका रहे गरीब मरीज

एमआरआई मशीन चार माह से बंद, एक साल में भी तैयार नहीं हुआ कक्ष

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मेडिकल कॉलेज प्रबंधन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के किए जा रहे दावे जमीनी हकीकत से कोसों दूर नजर आ रहे हैं। एमवाय अस्पताल में गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बीते एक वर्ष से एमआरआई जांच की सुविधा नहीं मिल पा रही है। जिम्मेदार अधिकारी इसे शुरू कराने में कोई गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं, जिसका सीधा खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। एमवाय अस्पताल में एमआरआई जांच बंद होने के कारण मरीजों को मजबूरी में निजी जांच केंद्रों का रुख करना पड़ रहा है, जहां उन्हें हजारों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर कई मरीज जांच ही नहीं करवा पा रहे हैं। अस्पताल परिसर में ऐसे कई मरीज देखे जा सकते हैं, जो पर्ची हाथ में लेकर लोगों से मदद की गुहार लगाते नजर आते हैं। करीब डेढ़ करोड़ रु. की लागत से खरीदी गई एमआरआई मशीन चार माह पहले अस्पताल पहुंच चुकी है, लेकिन अब तक मशीन के संचालन के लिए आवश्यक कक्ष का निर्माण ही पूरा नहीं हो पाया है। निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। काम पूरा करने की कोई समय-सीमा भी तय नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

- दिल्ली से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी, वापस लौटा विमान
- पश्चिम बंगाल : हुमायूं कबीर की नई पार्टी का ऐलान, नाम होगा जनता उन्नयन पार्टी
- इंडोनेशिया : जावा द्वीप में हादसे का शिकार हुई पैसेंजर बस, 16 लोगों की मौत
- आज सीएम अब्दुल्ला करेंगे कैबिनेट मीटिंग, बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए लिया जा सकता है फैसला
- मनरेगा को बिना किसी सलाह या बहस के खत्म कर रही मोदी सरकार : सोनिया गांधी
- नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास आज से भारतीयों के लिए ऑनलाइन वीजा विंडो शुरू करेगा
- दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन व 13 अन्य के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर आज सुनवाई
- भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति की महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों में जीत
- अजमेर शरीफ दरगाह पर आज चादर चढ़ाएंगे रिजिजू
- बिजनौर में भीषण सड़क हादसा : डंपर से टकराई क्रेटा कार, मौलाना समेत 4 मृत

आरई-2 सड़क निर्माण के लिए टूटेंगे 30 मकान

खजराना में सड़क की जमीन पर भूमाफिया ने काट दिए थे प्लॉट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर विकास प्राधिकरण और नगर निगम द्वारा आरई-2 सड़क निर्माण किया जा रहा है। स्टार चौराहे के आगे खजराना क्षेत्र में सड़क की जमीन पर 30 मकान बने हुए हैं, जिन्हें हटाने के लिए नगर निगम ने नोटिस जारी किए हैं, ताकि सड़क का आगे निर्माण किया जा सके। मामले में रहवासी ने पार्षद रूबीना इकबाल खान के बेटे मोनू पर आरोप लगाया है कि उनके द्वारा मकान टूटने से बचाने के लिए डेढ़ लाख रुपए मांगे जा रहे हैं, लेकिन पार्षद रूबीना खान ने सीधे तौर इस आरोप को खारिज करते हुए बताया कि जो वीडियो वायरल हुआ, उसमें हामिद नाम का व्यक्ति रहवासियों के साथ डेढ़ लाख रुपए लेने का आरोप लगा रहा है, जबकि सरकारी जमीन पर प्लॉट भी उसके द्वारा काटे गए हैं। बायपास से सटा खजराना का क्षेत्र अवैध बसाहट है। आईडीए जल्द ही नगर निगम के माध्यम से इनको तोड़ने की कार्रवाई करेगा। रहवासी यूसुफ का कहना है कि उन्हें पता नहीं था कि सरकारी जमीन पर प्लॉट काटे जा रहे हैं, जबकि नोटिस मिला तो पता चला। हमें नहीं पता कि कौन मकान बचाने के नाम पर वसूली कर रहा है, लेकिन सरकार को हमारी परेशानी देखते हुई कुछ मुआवजा देना चाहिए।

एडवांस में भी छुट्टी ले सकते सरकारी कर्मचारी

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● जब किसी कर्मचारी के खाते में जब कोई अवकाश न बचा हुआ और उसे छुट्टी की सख्त आवश्यकता है, तो वह भविष्य में मिलने वाले अवकाश के बदले एडवांस छुट्टी ले सकता है। यह एक ऐसी सुविधा मिलेगी, जो आपात स्थितियों में सरकारी कर्मचारियों के काम आएगी। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के 6.5 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों के लिए 1 जनवरी 2026 से छुट्टियों का पूरा कैलेंडर बदलने जा रहा है। 48 साल पुराने मध्य प्रदेश अवकाश नियम 1977 की जगह अब मध्य प्रदेश सिविल सेवा (अवकाश) नियम 2025 लागू होंगे। नए नियम केंद्र सरकार के नियमों के लगभग समान हैं और इन्हें मौजूदा सामाजिक और प्रशासनिक जरूरतों के हिसाब से तैयार किया गया है।

नए नियमों के मुताबिक अब बीमारी और मातृत्व अवकाश लेना ज्यादा सुविधाजनक होगा, वहीं इनके दुरुपयोग पर भी लगाम लगेगी। अधिकारी छुट्टी देने में मनमानी न कर सकें, इसके लिए रोस्टर बनाना अनिवार्य होगा। नए नियमों में यह स्पष्ट किया गया है कि अवकाश अधिकार नहीं है और इसे लोकहित में निरस्त किया जा सकता है। हालांकि, इसका उद्देश्य कर्मचारियों के अवकाश के अधिकार को कम करना नहीं है। अधिकारी छुट्टी देने में मनमानी न कर सकें, इसके लिए उन्हें कर्मचारियों का रोस्टर भी बनाना होगा। कोई भी सरकारी कर्मचारी किसी भी परिस्थिति में 5 वर्ष से अधिक अवकाश पर नहीं रह सकता।

शेष बचे 10 दिन... साल 2025 की यादें होगी ताजा 'दैनिक इंदौर संकेत' के साथ

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत। इंदौर में विगत दो माह पहले लगभग 22 किन्नरों ने एक बंद कमरे में फिनाइल पीकर जान देने की कोशिश की थी। इसका वीडियो भी वायरल हुआ था। जैसे ही घटना की सूचना पुलिस को मिली थी, मौके पर पहुंचकर अधिकारियों ने कमरे का दरवाजा खुलवाया और सभी किन्नरों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

करोड़ों का नुकसान अस्पतालों के साथ-साथ अब सार्वजनिक स्थल भी आए संकट में

स्वच्छ शहर में अब चूहों का आतंक, 6 माह में काटने के 1100 मामले सामने आए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भारत के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब बरकरार रखने के बावजूद, इंदौर 2025 में एक ऐसे लगातार और व्यापक खतरे से जूझ रहा था कि शहर को मानो अपने किसी मार्गदर्शक की तलाश थी, कोई ऐसा व्यक्ति जो चूहों को शहर को अंदर से खोखला करने से पहले ही बाहर निकाल सके।

पूरे साल, चूहे अब मामूली परेशानी नहीं रहे, बल्कि एक स्पष्ट नागरिक संकट बन गए, नवजात शिशु वार्डों, पुलों, मूर्तियों, वाहनों और रोजमर्रा की सुरक्षा की भावना को कुतरते हुए।

जो कुछ घटित हुआ वह महज़ दुर्घटनाओं की एक श्रृंखला नहीं थी, बल्कि इंदौर की स्वच्छता की चकाचौंध के पीछे छिपी कीट नियंत्रण, अपशिष्ट प्रबंधन, जल निकासी व्यवस्था के रखरखाव और संस्थागत प्रतिक्रिया में गहरी खामियों की चेतावनी थी।

इंदौर के प्रमुख सरकारी अस्पताल हुकुमचंद पॉलीक्लिनिक (जो रेबीज का टीकाकरण करता है) से प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 के उत्तरार्ध में चूहे के काटने के मामलों की लगातार रिपोर्टिंग होती रही। डॉक्टरों और स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह वास्तविक स्थिति का केवल आंशिक प्रतिबिंब है, क्योंकि निजी अस्पताल अलग रिकॉर्ड रखते हैं और बड़ी संख्या में मामूली काटने के मामले कभी दर्ज नहीं किए जाते हैं। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का अनुमान है कि चूहे के काटने के आधे से अधिक मामले दर्ज नहीं किए जाते, खासकर घनी आबादी वाले इलाकों में जहां पीड़ित संक्रमण बढ़ने पर ही इलाज करवाते हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव हसनी ने बताया कि मानसून और मानसून के बाद के महीनों में चूहे के काटने की घटनाएं आमतौर पर बढ़ जाती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि शहरव्यापी निगरानी तंत्र के अभाव में अधिकारी अक्सर गंभीर घटनाओं के घटित होने के बाद ही प्रतिक्रिया देते हैं। मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक, एमवाई अस्पताल में हुई एक भयावह घटना के बाद चूहों के खतरे की गंभीरता स्पष्ट रूप से सामने आई।

न्यूज ब्रीफ

ललित शर्मा बागड़ा ब्राह्मण समाज अध्यक्ष नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सामाजिक समारोह में समाज के वरिष्ठ सदस्यों के द्वारा ललित (पप्पू) शर्मा को बागड़ा ब्राह्मण समाज इन्दौर का अध्यक्ष घोषित किया गया है इस दौरान समाज के समस्त वरिष्ठगण एवं युवा सदस्यों द्वारा सबसम्मति एवं निर्विरोध से अध्यक्ष पद हेतु ललित (पप्पू) शर्मा को बागड़ा ब्राह्मण समाज इन्दौर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस दौरान समाज के जगदीश शर्मा, नाथुलाल शर्मा, भगवानदास शर्मा, अमित शर्मा, सुमित शर्मा, महेन्द्र शर्मा, राजेश शर्मा, गोपाल शर्मा, (टाल वाले) वरूण शर्मा आदि सदस्यगणों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई है।

51 सेवाभावी कर्मवीरों का होगा विवेकानंद गौरव अलंकरण से सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश दुनिया में भारतीय धर्म और संस्कृति के प्रदर्शक स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर युवा संगम में विवेकानंद गौरव अलंकरण से 51 सेवाभावी कर्मवीरों का 12 जनवरी को सम्मान किया जाएगा। स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश मानावत एवं सामाजिक कार्यकर्ता अनंत महंत ने बताया कि कर्मवीर स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट एवं इन्दौर सेवा ट्रस्ट मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में प्रति वर्षोनुसार इस वर्ष भी 11 वा प्रदेशस्तरीय विवेकानंद गौरव अलंकरण सम्मान समारोह 12 जनवरी सोमवार को किमती गार्डन धार रोड पर प्रात: 10 बजे खेल, कला, संगीत, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, धार्मिक, सामाजिक, प्रशासनिक सेवा, इंजीनियरिंग, न्यायिक सेवा, पत्रकारिता, साहित्य आदि के क्षेत्र में मानवता के लिए समर्पित समाजसेवीओ को उत्कृष्ट कार्य के लिए विवेकानंद गौरव अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। इस युवा संगम में युवाओं को विवेकानंद जी के आर्दश पर चलने एवं उनके जीवन पर प्रकाश डाला जाएगा।

सामूहिक आयोजन नववर्ष में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर की पुण्य धरा पर पहली बार नए वर्ष का स्वागत 1 जनवरी को आध्यात्मिकता के साथ होने जा रहा है जिसमें सामूहिक सामायिक का विशाल आयोजन अ.भा.जैन श्वेतांबर सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन (रजि.) के तत्वाधान में महावीर बाग,एयरपोर्ट रोड इंदौर पर होगा। उक्त जानकारी फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जिनेश्वर शोभा जैन राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र नाहर,किरण सिरोलिया,अरिहंत जैन ने दी। कार्याध्यक्ष सी ए नरेंद्र भंडारी,श्रीमती कांता बांठिया और राष्ट्रीय चेयरमैन प्रभात चोपड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि पहली बार किसी राष्ट्रीय स्तर की संस्था द्वारा यह आध्यात्मिक कार्य नव वर्ष की वेला में होने जा रहा है।

सांवेर के विकास और प्रगति की गति अब रूकने वाली नहीं हैं - सिलावट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के मुख्य आतिथ्य में सांसदद्वय शंकर लालवानी और सुश्री कविता पाटीदार ने रविवार को इंदौर में सिंगापुर टाउनशिप रेलवे अंडरपास का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री सिलावट ने कहा कि सांवेर विधानसभा में अब विकास और प्रगति की गति रुकने वाली नहीं है। सांवेर में विकास और प्रगति की यात्रा अब निरंतर तेज गति के साथ आगे बढ़ रही है। सिलावट ने कहा कि जनवरी 2019 से आज तक सांवेर विधानसभा में 5 हजार करोड़ रूपये से ज्यादा राशि के बिजली, पानी, सडक, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ ही विभिन्न प्रकार के विकास कार्य हुए हैं और अब यह विकास की गति और तेज होगी।

प्राइवेट स्कूल की मान्यताओं में फिर चलेगा लिफाफे का जादू

शासन के नियमों को खूंटी पर टांग कर दी जाएगी मान्यताए

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

प्राइवेट स्कूलों में मान्यता नवीनीकरण का दौरा शुरू हो चुका है कहीं स्कूल मूलभूत सुविधाओं से वंचित है लेकिन वह भी मान्यता की कतार में लगे हुए हैं। जानकारी में पता चला है 30 दिसंबर तक प्राइवेट स्कूलों की मान्यता और नवीनीकरण होना है जिसको लेकर देपालपुर बीआरसी कार्यालय में प्राइवेट स्कूल संचालक को ने चक्कर लगाना चालू कर दिए देखने में आया है कि कहीं स्कूलों में शासन की गाइडलाइन के हिसाब से मूलभूत सुविधाएं नहीं है, लेकिन सूत्र बताते हैं कि लिफाफे का जादू इन निजी स्कूलों को भी मान्यता दिलवा देगा स्कूल संचालक भी अपना श्याम दाम दंड अपना रहे हैं किसी न किसी माध्यम से मान्यता

का नवीनीकरण स्कूल संचालक करवा ही लेते हैं सबसे बड़ी बात यह है कि शिक्षा विभाग में केवल खानापूर्ति करता है, देखने में आया है कि क्षेत्र में कहीं स्कूल ऐसे हैं। जहां पांच कमरों में स्कूल संचालित हो रहा है, ना खेल मैदान है ना ड्र.श्वस्र ड्र.द्गस्र के शिक्षक हैं और तो और कहीं स्कूल ऐसे हैं जहां साल में ऑडिट भी नहीं करवाया जाता हैं यही हाल प्राइवेट स्कूल के बसों का भी है देखा जाए तो निजी वाहनों से बच्चों को लाने ले जाने का काम किया जा रहा सूत्र बताते हैं कि परिवहन विभाग साल में दो-चार बार आते हैं और अपने लिफाफे का काम कर निकल जाते हैं क्षेत्र में संदेश दे जाते हैं कि परिवहन विभाग के अधिकारी स्कूल बसों पर कार्रवाई करने देपालपुर आए थे, लेकिन जमीनी हकीकत पर देखा जाए तो केवल आम जनता को और शासन प्रशासन को जिम्मेदार अधिकारी केवल चूना लगाने का काम कर रहे हैं। प्रभारी बीआरसी गणेश सोलंकी अगर स्कूलों की जांच करें तो अधिकतर स्कूल क्षेत्र में बंद होने की कगार पर आ जाएंगे लेकिन राजनीतिक रसूख और लिफाफे का दम कार्रवाई करने नहीं देगा क्योंकि अधिकांश स्कूलों के संचालक संघ और भाजपा नेताओं से जुड़े हैं जिसमें हाथ डालने से अधिकारी भी कतराने लगे हैं अब देखना होगा की मूलभूत सुविधाओं से वंचित स्कूलों को मान्यताएं दी जाएगी या फिर शासन प्रशासन के नियमों का पालन कराया जाएगा।

सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प : 'जेस' के राष्ट्रीय अधिवेशन में जुटे देशभर के दिग्गज, किया जयपुर भ्रमण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जैन समुदाय की सामाजिक-आर्थिक प्रगति और सशक्त भारत के निर्माण में तकनीकी योगदान देने के उद्देश्य से गठित 'जैन इंजीनियर्स सोसायटी' (जेस) का राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन में भाग लेने के लिए देश के विभिन्न प्रांतों से आए विख्यात इंजीनियरों और विषय विशेषज्ञों ने शनिवार को गुलाबी नगरी की विरासत को करीब से देखा। अधिवेशन के दौरान सत्रों के इतर, प्रतिनिधियों ने अपने परिवारों के साथ जयपुर के प्रमुख दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। ज्ञात हो कि 'जेस' का मुख्य उद्देश्य संपूर्ण भारत के जैन इंजीनियरों को एक साझा मंच प्रदान करना है, ताकि वे न केवल समुदाय के उत्थान में बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी अपनी तकनीकी दक्षता का योगदान दे सकें। इस अधिवेशन में इंदौर से इंजीनियर संजय जैन निकिता जैन, अखिलेश जैन मृदुला जैन, विकास जैन, तपन जैन रिनीता जैन, राजकुमार जैन डॉ. अंजना जैन, निकेतन सेठी श्रीमती सीमा सेठी, प्रफुल्ल स्वास्तिक, राकेश कुमार जैन, संजय कुमार जैन, सुरेश कुमार शाह नीरा शाह, मनीष जैन, रवि जैन, निखिल जैन और मोनेश पाटनी ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज करवाई।

क्षत्रिय करणी सेना के विधि सलाहकार बनने पर चंदनसिंह बड़वाया का हुआ स्वागत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● क्षत्रिय करणी सेना में विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त होने पर चंदनसिंह बड़वाया का उनके गृह ग्राम में मित्रों एवं शुभचिंतकों द्वारा पुष्पमालाएं पहनाकर हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूरे गांव में उत्साह और गौरव का माहौल देखने को मिला।

मित्रों ने चंदनसिंह बड़वाया को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे अपने पद की गरिमा के अनुरूप समाज और संगठन के हित में सदैव कार्य करेंगे। स्वागत कार्यक्रम के दौरान आपसी सौहार्द, एकता और मित्रता की मिसाल भी देखने को मिली।

इस अवसर पर सुनेर सिंह बड़वाया, गोकुल पटेल, कल्याण सिंह बड़वाया, बबलू जाधव, शैलेंद्र पटेल, घनश्याम पटेल, विकास मुकाती, अभिषेक जाधव, अंकित पटेल, गोकुल बड़वाया, अमन जाधव विष्णु बड़वाया रोहित राठौर विजय बड़वाया विकास बमोत्रिया दुर्गेश बड़वाया सरवन बड़वाया कपिल बड़वाया सहित अनेक मित्र एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने चंदनसिंह बड़वाया के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।

ब्राह्मण समाज के 10 रिश्ते तय कई पर चर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गौड़, आद्य गौड़, सनाढ्य ब्राह्मण समाज का युवा-युवती परिचय सम्मेलन 21 दिसंबर को विजय नगर स्थित ला ओमिनी गार्डन में संपन्न हुआ। जिसमे 20 जोड़ो ने तत्काल पत्रिका मिलान कर अपना जीवन साथी चुना। समाज अध्यक्ष पं कृष्ण बिहारी शर्मा ने बताया कि सम्मेलन में शाम तक 600 प्रत्याशी ने बिना झिझक मंच पे आकर अपना परिचय दिया। जो प्रत्याशी शहर से बाहर होने के कारण उपस्थित नहीं हो पाये उनके परिवारजनों ने मंच से परिचय दिया। कारीक्रम स्थल पे विशेष कर पत्रिका मिलान के लिए कई कक्ष बनाये हुए थे जिसमे वेद पाठी ब्राह्मणों ने तुरंत पत्रिका का मिलान किया, शाम तक 5000 से ज़्यादा समाजजानो ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समाज में युवा इकाई का उत्साह देखने को मिला जिन्होंने अपने पारंपरिक वेशभूषा धोती कुर्ता में वैवस्था सँभाल रखी थी।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे का आईएमए इंदौर द्वारा सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इंदौर शाखा द्वारा आज भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. निशांत खरे का सम्मान समारोह आईएमए भवन, इंदौर में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहर के 150 से अधिक चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का स्वागत भाषण एड. डॉ. वल्लभ मूंदड़ा, प्रेसिडेंट, आईएमए द्वारा दिया गया। अपने संबोधन में उन्होंने हाल ही में इंदौर में एक चिकित्सक के साथ हुई मारपीट की घटना के संदर्भ में त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कराने में डॉ. निशांत खरे द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका की सराहना की। सम्मान पत्र का वाचन डॉ. अनिल भदौरिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. निशांत खरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि चिकित्सक वर्ग एक बुद्धिजीवी वर्ग है, किंतु संगठनात्मक कमजोरी एवं समयाभाव के कारण कई बार असामाजिक तत्वों द्वारा अभद्र व्यवहार का सामना करना पड़ता है।

कुशल 'नेतृत्व' क्षमता इतिहास बनाती है, शिरीष तांबे की पुस्तक 'नेतृत्व' का विमोचन प्रसंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● लिवा साहित्य सेवा समिति के तत्वावधान मे शिरीष प्रभाकर तांबे लिखी व श्री सर्वोत्तम प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'नेतृत्व' का विमोचन महाराष्ट्र साहित्य सभा के तांबे सभागृह मे सम्पन्न हुआ. इस अवसर पर लेखक शिरीष तांबे ने कहा कि कुशल नेतृत्व क्षमता इतिहास बनाती है। छत्रपति शिवाजी महाराज, श्रीमंत बाजीराव पेशवा, चर्चिल एवं हिटलर की कुशल नेतृत्व क्षमता का इतिहास हमे आज भी प्रेरित करता है. डॉ. बाबा साहब तराणेकर कार्यक्रम के अध्यक्ष थे। भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. मिलींद दांडेकर एवं प्रेस्टिज इन्स्टिटयूट ऑफ इंजिनियरिंग अँड मॅनेजमेंट के डायरेकटर डॉ. मनोज देशपांडे विशेष अतिथि थे। पुस्तक पर चर्चाकार थी विनीता धर्म. ने पुस्तक समीक्षा की. अरविन्द जवळेकर, रंजना ठाकूर, हेमंत मुंगी, प्रफुल्ल कस्तुरे एवं अशोक आमणापुरकर ने अतिथि स्वागत किया। कार्यक्रम का सुत्र संचालन नील माधव भुसारी ने किया एवं आभार प्रदर्शन अश्विन खरे ने किया. इस विमोचन प्रसंग पर अनेक गणमान्य एवं साहित्यकार उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने वीर बाल दिवस की घोषणा कर चारों साहिबजादों के अविस्मरणीय योगदान से परिचित करवाया-हितानंद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज भाजपा कार्यालय पर भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे, नगर महामंत्री सुधीर कोल्हे, कैलाश पिपले, नगर उपाध्यक्ष हरप्रीत सिंह बक्शी, सुखविंदर सिंह मन्नी भाटिया की उपस्थिति में वीर बाल दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर शहर की विभिन्न गुरुद्वारा कमेटियों के प्रमुखों से चर्चा की।

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने गुरुगोविंद सिंह के चार साहिबजादों के बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वीर बाल दिवस प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा कर साहिबजादों के बलिदान, उनके त्याग उनकी वीरता से प्रत्येक देशवासियों को परिचित कराने का अवसर प्रदान किया है।

उन्होंने कहा कि यह दिवस सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादों की वीरता, साहस और बलिदान को स्मरण करने के लिए समर्पित है। उन्होंने बहुत कम उम्र में अत्याचार के सामने झुकने के बजाय धर्म और सत्य की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका यह बलिदान भारतीय इतिहास में अद्वितीय है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह दिन हमें सच्चाई, धर्म, देशभक्ति और आत्मसम्मान के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए देश की आजादी और उससे पहले मुगलकाल में भी सिक्ख समाज का अप्रतिम योगदान रहा है। गुरु गोविंद सिंह के चारों साहबजादों ने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। वीर बाल दिवस पर भाजपा द्वारा वीर साहिबजादों के बलिदान को याद करते हुए भव्य आयोजन किया जाएगा।

6 दिनों से वेंटिलेटर पर भर्ती 40 दिन की 'बेबी 'को जिला अस्पताल के डाक्टरर्स ने दी नई जिंदगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इन दिनों सरकारी जिला अस्पताल के डाक्टर्स की सराहना पीड़ित परिवार सहित सारे शहर में हो रही है क्योकि मामला वाकई पीठ थपथपाने वाला जैसा ही है। जिस नन्ही सी परी जैसी 'बेबी' को एक नही कई गम्भीर बीमारियों ने जकड़ रखा हो। जो वेंटिलेटर पर 6 दिनों तक जिंदगी और मृत्यु से संघर्ष करती रही हो। उस नन्ही सी जान 'बेबी' को जिंदगी देने वाले डॉक्टर पीड़ित परिवार के लिए फरिश्ते साबित हुए है।

भले ही यह कहावत ही क्यो न हो की डॉक्टर धरती के फरिश्ते या भगवान है, मगर वाकई कई बार यह कहावत शतप्रतिशत सच हो साबित हो जाती है। ऐसा ही एक मामला पिछले दिनों खण्डवा के जिला अस्पताल में नजर आया । जब पिछले माह शेख जावेद 40 दिन की अपनी नन्ही सी परी जैसी बेटी 'बेबी' का इलाज करवाने लेकर आए । जब शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक पंचोरे ने स्वास्थ्य परीक्षण किया तो उन्होंने बताया कि 'बेबी' की हालत बहुत ज्यादा गंभीर है। वह ठीक से सांस तक नही ले पा रही है। डिहाईड्रेशन के चलते उसका शुगर लेवल भी एकदम कम हो चुका है , यानी यह 4 माह की 'बेबी' जिंदगी से जंग लड़ रही थी। डॉ. पंचोरे ने तुरंत अपनी टीम को अलर्ट किया और 'बेबी' की वेंटिलेटर सपोर्ट सिस्टम पर भर्ती करने को कहा। लगातार 6 दिन तक वेंटिलेटर पर रखकर उसका इलाज शुरू किया मगर 'बेबी' के स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो रहा था क्योकि उसके दस्त में खून आ रहा था और शुगर लेवल भी एकदम कम था। इसके अलावा उसे निमोनिया भी हो गया था। उसकी अत्यंत कमजोर स्थिति को देखते हुए उसे 2 दिन तक प्लाज्मा और खून चढ़ाया गया। डाक्टर्स और स्टाफ की टीम उसका लगातार परीक्षण कर उसकी निगरानी करती रही आखिरकार डाक्टर्स की टीम के अथक प्रयासों से कुछ दिन बाद बेबी के स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार होने लगा।

राजपूतों के उच्च शिक्षित युवाओं का परिचय सम्मेलन 11 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राजपूत समाज का 33वॉ युवक - युवती परिचय सम्मेलन 11 जनवरी 2026 रविवार सुबह 10:00 बजे मयंक ब्लू वाटर पार्क में आयोजित किया जाएगा! उपरोक्त जानकारी राजपूत समाज चेतना मंडल के संयोजक रतनसिंह राजपूत अध्यक्ष गजराजसिंह सोलंकी, उपाध्यक्ष राजेशसिंह तोमर एवं महासचिव सत्येंद्रसिंह चौहान ने दी। आज परिचय सम्मेलन के फोल्डर का विमोचन वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति श्री सुरेश सिंह भदौरिया जी के के मुख्य अतिथि में किया गया एवं अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी श्री वीरेंद्र सिंह तोमर ने की। महिला प्रकोष्ठ की संयोजक श्रीमती अनुराधा चौहान एवं अध्यक्ष श्रीमती मोनिका बैस ने बताया कि हमारे कार्यालय रतन केमिस्ट एम आई जी कॉलोनी पर युवकों की 482 प्रविष्टियां एवं युवतियों की 397 प्रविष्टियां प्राप्त हुई है, जिनमें 27 डॉक्टर ,92 इंजीनियर, 150 एम बी ए, तथा 17 सी ए की प्रविष्टियां प्राप्त हुई है! यह सभी प्रविष्टियों मध्य प्रदेश ,उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान ,गुजरात छत्तीसगढ़ से प्राप्त हुई है कुछ प्रविष्टियां विदेश से भी प्राप्त हुई हैं। अभी भी प्रविष्ठियां व्हाट्सएप नंबर 9826 2 707 4 1 पर प्राप्त हो रही है हमारा लक्ष्य 18 00 से 2000 प्रविष्टियों का है। युवा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉक्टर चैतन्यदेवसिंह सिसोदिया ,युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष उदयसिंह पंवार युवा प्रकोष्ठ के महासचिव रजतसिंह भदौरिया ने बताया कि इस अवसर पर 'परिणय दर्पण' स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा जिसमें युवक एवं युवतियों के रंगीन फोटो सहित संपूर्ण जानकारी भी दी गई है।

अभा सर्व दिगंबर जैन समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन में 700 से अधिक प्रविष्टियां अभी तक प्राप्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन परवार सभा इंदौर द्वारा सर्व दिगंबर जैन समाज के लिए युवक युवती परिचय सम्मेलन इंदौर स्थित नरसिंह वाटिका एरोड्रम रोड़ पर 18 जनवरी को होने जा रहा है।स सम्मेलन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने कहा कि विशेष बात यह है कि अंतिम तारीख से पहले अभी तक 700 से अधिक युवक एवं युवतियो की प्रविष्टियां प्राप्त हो चुकी हैं जिसमे युवक युवतियों की बड़ी संख्या में इंटी प्राप्त हो चुकीं हैं। परवार सभा के अध्यक्ष राकेश सिघंई ने कहा कि यह आयोजन की सफलता का एक अच्छा संकेत है, क्योंकि यह

दर्शाता है कि बड़ी संख्या में सर्व समाज जन इस सम्मेलन में रुचि ले रहे हैं। प्रतिभागियों के लिए भी अच्छी खबर है, क्योंकि जितनी अधिक प्रविष्टियां होंगी, संभावित उपयुक्त जीवन साथी मिलने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। सम्मेलन के संयोजक प्रदीप बल्ला संदीप जैन गिन्नी अनिल जैन सप्पू ने कहा कि परिचय सम्मेलन से प्रत्याशियों और अभिभावकों को एक ही स्थान पर अलग-अलग शहरों के युवक-युवतियों को जानने और समझने का मौका मिलेगा। प्रविष्टियां की अंतिम दिनांक 29 दिसंबर है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 22 दिसंबर 2025

अनिका के लिए 1 करोड़ 17 लाख ऑनलाइन और 35 लाख नगद जमा हुए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मासूम अनिका शर्मा के लिए 400 लोगों की टीम शहर में अलग-अलग जगह लगी है। हाथों में मासूम बच्ची के फोटो के फ्लेक्स लेकर वे लोगों से डोनेशन की अपील कर रहे हैं। इसके अलावा कुछ लोग ऐसे हैं जो कॉल के माध्यम से लोगों संपर्क कर रहे हैं, ताकि बच्ची के इलाज के पैसा इकट्ठा हो सकें। ये बीमारी 10 से 12 लाख बच्चों में किसी एक को होती है। इसमें बच्चे की कोशिकाएं धीरे-धीरे कमजोर होकर मरती हैं, जिससे कि बच्चा न बैठ सकता है न चल सकता है। इस बीमारी का एक मात्र zolgensma नामक एक इंजेक्शन है, जो अमेरिका से आता है इसकी कीमत 9 करोड़ रुपए है।

400 लोगों की टीम कर रही क्राउड फंडिंग

बच्ची की मदद को आगे आए अनीश पांडे ने बताया कि बच्ची के लिए शहर में करीब 400 लोगों की टीम लगी है। कई लोग शहर के अलग-अलग इलाकों में जाकर क्राउड फंडिंग कर रहे हैं। जिस भी इलाके में जाते हैं वहां के लोग बच्ची की मदद के लिए आ रहे हैं और वे हाथों में फ्लेक्स लेकर बच्ची के लिए मदद की अपील करने में लग जाते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों की टीम कॉल पर लोगों से फंडिंग के लिए चर्चा कर रही है। वे अपने परिचितों के साथ ही पहचान वालों को भी बच्ची के लिए अपील कर रहे हैं। टीम में छोटे से छोटा और बड़े व्यक्ति भी जुड़े हैं और बच्ची के लिए पैसा इकट्ठा करने के लिए अपील कर रहे हैं। साथ ही लोगों की टीम बाजारों, शो-रूम, कोर्ट परिसर तक में जाकर क्राउड फंडिंग कर चुकी है।

1 करोड़ 17 लाख ऑनलाइन और 35 लाख नगद

क्राउड फंडिंग और ऑनलाइन के माध्यम से बच्ची के इलाज के लिए पैसा जमा किया जा रहा है। ऑनलाइन माध्यम से 1 करोड़ 17 लाख रुपए और 35 लाख रुपए नगद इकट्ठा हो चुके हैं। इसके अलावा जिन लोगों ने बच्ची की मदद के लिए आश्वासन दिया है या घोषणा कि है अगर उस राशि को भी जोड़ा जाए तो 3 करोड़ 90 लाख रुपए से ज्यादा हो चुके हैं। उनका कहना है कि 9 करोड़ रुपए बच्ची के इंजेक्शन के लिए जमा करना है। अभी भी लक्ष्य काफी दूर है, लेकिन पूरी कोशिश कर रहे है कि अनिका के लिए जल्द से जल्द पैसा जमा कर सके।

जेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में राजकुमार जैन का शोध प्रकाशित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जयपुर में संपन्न जैन इंजीनियर्स सोसायटी के दो दिवसीय 18 वें राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान विमोचित स्मारिका में इंदौर के राष्ट्रीय ख्याती प्राप्त, यातायात प्रबंधन मित्र राजकुमार जैन (अरे ओ भिया) का शोधपरक लेख प्रकाशित हुआ है। 'देश की सड़कों पर मौत का साया' शीर्षक वाले इस लेख में सड़क सुरक्षा को लेकर एक कड़वी सच्चाई उजागर की गई है। इसमें इस बात पर चिंता प्रकट की गई है कि हादसों का मुख्य कारण केवल खराब सड़कें या सरकारी तंत्र नहीं, बल्कि पारिवारिक संस्कारों की कमी भी बड़ी हद तक जिम्मेदार है। बच्चे माता-पिता को नियम तोड़ते देखते हैं और उनके मन में भी यही भाव घर जाता है। बिना प्रशिक्षण लाइसेंस बनवाना बच्चों के लिए सुविधा नहीं, बल्कि उनकी जान से खिलवाड़ है। इस लेख का मूल संदेश है कि यातायात अनुशासन की शिक्षा और यातायात नियम पालन संस्कार घर से शुरू होना चाहिए, तभी भावी पीढ़ी को सुरक्षित सड़कें मिल सकेंगी।

हर्निया सर्जरी का मतलब व्यायाम पर रोक नहीं : डॉ. अचल अग्रवाल

हर्निया क्या है? कारण, इलाज और सर्जरी के बाद व्यायाम से जुड़ी सही जानकारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हर्निया आज के समय में एक आम लेकिन अक्सर गलत समझा जाने वाला रोग है। इंदौर के प्रसिद्ध हर्निया विशेषज्ञ डॉ. अचल अग्रवाल के अनुसार, हर्निया तब होता है जब शरीर के अंदरूनी अंग का कोई हिस्सा मांसपेशियों में बने कमजोर स्थान या छिद्र से बाहर की ओर निकल आता है। यह कमजोरी प्राय: मांसपेशियों के ढीले पड़ने या टूट-फूट के कारण होती है। उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों की ताकत कम होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, इसी कारण हर्निया धीरे-धीरे विकसित हो सकता है। इसके अलावा किसी चोट, पूर्व में हुई सर्जरी या जन्मजात कारणों से भी हर्निया हो सकता है। हर्निया के कई प्रकार होते हैं और वर्तमान जीवनशैली को देखते हुए यह समस्या अब काफी सामान्य हो गई है।

क्या हर्निया का इलाज संभव है- हर्निया का स्थायी इलाज केवल सर्जरी है। दवाओं या घरेलू उपायों से हर्निया पूरी तरह ठीक नहीं होता। हालांकि, सर्जरी को लेकर मरीजों के मन में एक आम डर रहता है कि इसके बाद शायद जीवन भर व्यायाम नहीं कर पाएंगे। इस सवाल का जवाब देते हुए डॉ. अचल अग्रवाल, सीनियर लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जन, स्पष्ट करते हैं कि हर्निया सर्जरी के बाद व्यायाम पूरी तरह बंद नहीं किया जाता, बल्कि उसे सही समय और सही तरीके से दोबारा शुरू किया जाता है।

पहली बार होंगे 'खेलो एमपी यूथ गेम्स-2025-27 खेल, 9 शहर और एक साझा मंच

भोपाल (एजेंसी) ● प्रदेश में खेलों के इतिहास में नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। खेलो एमपी यूथ गेम्स-2025: मध्यप्रदेश का ओलिंपिक' का आयोजन पहली बार खेल विभाग और प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त खेल संघों के संयुक्त प्रयास से किया जाएगा। यह प्रयोग देश में अपनी तरह का पहला आयोजन होगा, जिसमें चयन से लेकर प्रतियोगिता संचालन तक एकीकृत व्यवस्था अपनाई गई है। रविवार को भोपाल में आयोजित प्रेसवार्ता में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स-2025 का आयोजन 10 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। प्रतियोगिताओं की चयन प्रक्रिया ब्लॉक स्तर से शुरू होगी। ब्लॉक स्तरीय मुकाबले 10 से 15 जनवरी, जिला स्तर 16 से 20 जनवरी, संभाग स्तर 21 से 25 जनवरी और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 28 से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित होंगी। मंत्री सारंग ने स्पष्ट किया कि यूथ गेम्स में प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भविष्य में राज्य टीम के चयन में प्राथमिकता दी जाएगी। खेल संघों के साथ बेहतर समन्वय के लिए विभाग द्वारा समन्वय अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। उद्घाटन और समापन समारोह में खेल प्रेमियों के साथ-साथ राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

भोपाल की ताल के चौपाल से

पूर्व कप्तान की कानाफूसी और भाईसाहब की बेबाकी... मैडम मिनिस्टर ने ये क्या किया?

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

राज्य के अफसरों और मंत्रियों के बीच कई दिलचस्प घटनाएं हुई हैं। जनार्दन की कानाफूसी, हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर का संकट चर्चा में हैं। प्रमुख सचिव की बेबाकी भी चर्चा का हिस्सा बनी है। आज के बोल हरि बोल में पढ़िए सत्ता और अफसरशाही पर ये दिलचस्प किस्से... मौसम कोई भी हो, सत्ता और अफसरशाही में माहौल हमेशा गर्म ही रहता है। अब देखिए ना, एक मंत्री जी दिखवा लेते हैं कहते-कहते खुद वायरल हो गईं। सूबे के कुछ अफसर सरकार की घोषणाओं को ही गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। लिहाजा, 90 फीसदी ऐलान अभी धरातल पर नहीं उतर पाए हैं। एक संभाग के कमिश्नर साहब को बड़े साहब के मार्गदर्शन का इंतजार है।

जनार्दन के नाम पर कानाफूसी

सूबे के मुखिया ने अफसरों को यूट्यूबर्स पर शिकंजा कसने का फरमान सुनाया तो इस अवसर पर उन्होंने उज्जैन के तत्कालीन एसपी जी.जनार्दन का भी नाम लिया। बताया कि कैसे उन्होंने सख्ती की थी। जनार्दन का नाम आते ही दूसरे अफसर कानाफूसी करने लगे कि उज्जैन के एक पत्रकार पर सख्ती करने पर जनार्दन के खिलाफ जांच बैठ गई थी। मानव अधिकार अलग पीछे पड़ गया था। बड़ी मुश्किल से उन्होंने इस जांच के झमेले से अपनी गर्दन बचाई थी। इतना ही भी जनार्दन के और भी किस्सों को लेकर अफसर एक-दूसरे के मजे लेते रहे। बाकी आप समझदार हैं। कम लिखे को ज्यादा समझें।

नमाज पढ़ने गए थे रोजा गले पड़ गया!

ये कहावत हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर साहब पर फिट बैठ रही है। दरअसल, हुकुमचंद मिल की जमीन के प्लॉट बेचना हैं या बनाकर देना है, इसका फैसला नहीं हो पा रहा है। कमिश्नर साहब इसी मामले को लेकर बड़े साहब के पास गए थे। कमिश्नर अपनी बात रख पाते, उससे पहले ही बड़े साहब के पास बैठे प्रमुख सचिव बीच में बोल पड़े कि आप छोटे-छोटे मामले लेकर साहब के पास आ जाते हो, ये फैसला आपको अपने स्तर पर करना चाहिए। प्रमुख सचिव की इस सलाह पर तत्काल बड़े साहब ने बोला, ये सही कह रहे हैं। आप अपने स्तर पर तय कीजिए। कमिश्नर साहब चुपचाप लौट आए। अब एक महीना हो गया है। कमिश्नर को समझ नहीं आ रहा कि क्या फैसला लें। कहीं कुछ ऊंच-नीच हो गई तो लेने के देने पड़ जाएंगे। अब कमिश्नर साहब अपने एसीएस से उम्मीद लगाए हुए हैं कि वे कोई डायरेक्शन दे दें।

ये तो बेबाकी की हद हो गई...

सूबे के मुखिया के सामने अफसर अपनी बात दमदारी से रखने में आगे पीछे होते हैं, लेकिन एक अफसर ने हाल ही में एक बैठक में ऐसे बेबाकी से जवाब दिया कि बैठक में मौजूद हर दूसरा अफसर एक दूसरे का मुंह ताकता रह गया। दरअसल, अड़ियल रवैये की पहचान रखने वाले इन साहब को एक प्रकरण को देखकर निर्णय लेने के लिए कहा गया। इस पर प्रमुख सचिव ने तापक से कह दिया कि मैं पहले ही देख चुका हूं। ये नहीं हो सकता। इस पर मुखिया जी ने कहा फिर से देख लीजिए तो प्रमुख सचिव ने कुटिल मुस्कान के साथ कहा की मैं 100 बार भी देखूंगा तो आदमी ही रहूंगा, औरत नहीं बन जाऊंगा। इस जवाब से सब सन्नाटे में रह गए। हालांकि मुखिया जी ने ठहाका लगाकर मामले को हल्का किया और सब रफा दफा हो गया।

अफसरों ने चलाया चप्पू

इस बार की आईएएस मीट चर्चाओं में है। अफसर चर्चा में आने के लिए साहसिक एक्टिविटीज में शिरकत कर रहे हैं। इस बार तो बोट रेस तक हो गई। क्रिकेट, चेस, कैरम, पूल, टेबिल टेनिस से लेकर न जाने कौन कौन से इवेंट हो रहे हैं। बोट क्लब में हुई रेस के दौरान अफसरों ने हाथों से चप्पू चलाकर बड़े तालाब में मस्ती और धमाल मचाया। बड़े साहब ने क्रिकेट का आनंद लेते हुए शॉट मारे। इधर, मीडिया वाले पूरी मीट में एक आईएएस साहब को ढूंढते रहे, लेकिन वे पहुंचे ही नहीं। आपको बता दें कि हाल ही में सरकार ने साहब के पर कतरे हैं। साहब ने एक समाज विशेष को लेकर बयान देकर बड़ा बखेड़ा कर दिया था। लिहाजा, उन पर सख्त कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है। अपनी निजी और प्रशासनिक व्यस्तताओं का हवाला देते हुए कुछ कलेक्टर भी सर्विस मीट में शामिल नहीं हुए हैं।

मंत्री जी की जमकर किरकरी

क्या हो यदि पत्रकार किसी मंत्री से सवाल करें तो और मंत्री जी 42 सवालों में से 34 के जवाब सिर्फ यह कहकर दे दें कि हम दिखवाते हैं, इसे दिखवा लेते हैं। हम इस पर काम कर रहे हैं। जी हां, ये सच है। सूबे की एक मंत्री महोदया सरकार की दो साल की उपलब्धियां गिना रही थीं। पहले तो उन्होंने कागज से पढ़कर सरकार के काम गिना दिए, फिर जब पत्रकारों की बात आई तो मैडम मिनिस्टर फंस गईं। मैडम प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधूरी तैयारी के साथ पहुंची थीं। पत्रकारों ने जब क्षेत्र से जुड़े एक के बाद एक 42 सवाल पूछे, लेकिन मैडम मिनिस्टर ने 34 सवालों के जवाब कहा कि हम इसे दिखवा लेते हैं। अब मैडम का वीडियो वायरल हो रहा है और लोग उनके कामकाज पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

काम तो कीजिए साहब!

मध्यप्रदेश के अफसर सरकार की किरकिरी कराने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। ये मामला बेहद दिलचस्प है। डॉक्टर साहब ने दो वर्षों में प्रदेश के 42 विभागों से जुड़े कुल 862 ऐलान किए हैं। इनमें से अब तक 81 घोषणाएं ही पूरी तरह जमीन पर उतर सकीं हैं। 92 घोषणाएं ऐसी हैं, जिन पर काम चल रहा है या जो सतत प्रकृति की हैं, जबकि 689 घोषणाएं अब भी पेंडिंग हैं। यानी दो साल बाद भी जनता को सीधा लाभ देने वाले काम महज 10 फीसदी ही पूरे हो पाए हैं। बाकी घोषणाएं फाइलों, बैठकों और नोटशीट्स के बीच उलझी हुई हैं। यह साफ संकेत है कि समस्या राजनीतिक इच्छाशक्ति की नहीं, बल्कि अफसरशाही की सुस्ती और गैर-जवाबदेही की है।

भाईसाहब का साहस गजब है...

बीजेपी वाले एक भाईसाहब अपने साहसी और बेबाक बयानों से हमेशा चर्चा में रहते हैं। हाल ही में एक केंद्रीय मंत्री और चार राज्यों के नगरीय प्रशासन मंत्रियों के सामने उन्होंने फ्रीबीज पर सवाल उठाए। बोले, जनता को लुभाने में राज्यों की वित्तीय हालत बिगड़ रही है। यह कोई पहला मौका नहीं है। इससे पहले भाईसाहब की बेबाकी विधानसभा में सामने आई थी, जहां उन्होंने बीजेपी और कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों के काम की तारीफ की थी। इसके जवाब में राजा साहब ने तो यहां तक कह दिया था कि ऐसे बयानों के लिए साहस चाहिए होता है। इससे पूर्व इंदौर की एक बैठक में भाईसाहब ने डॉक्टर साहब के सामने कहा था कि आपके अफसर हमें चमकाते हैं। खैर, इन बयानों के सियासी मायने जो भी हों, लेकिन राजनीति में भाईसाहब की बेबाकी की खूब तारीफ हो रही है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रार्पटी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

उच्च शिक्षित युवाओं का परिचय सम्मेलन 11 जनवरी को

इंदौर ● राजपूत समाज का 33वॉ युवक -युवती परिचय सम्मेलन 11 जनवरी 2026 रविवार मयंक ब्लू वाटर पार्क में आयोजित किया जाएगा! उपरोक्त जानकारी राजपूत समाज चेतना मंडल के संयोजक रतनसिंह राजपूत अध्यक्ष गजराजसिंह सोलंकी, उपाध्यक्ष राजेशसिंह तोमर एवं महासचिव सत्येंद्रसिंह चौहान ने दी आज परिचय सम्मेलन के फोल्डर का विमोचन सुरेश सिंह भदौरिया जी के के मुख्य अतिथि में किया गया एवं अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी वीरेंद्र सिंह तोमर ने की महिला प्रकोष्ठ की संयोजक श्रीमती अनुराधा चौहान एवं युवतियों की 397 प्रविष्टियां प्राप्त हुई है।

सरयूपारीण ब्राह्मण समाज द्वारा सर्व ब्राह्मण का उच्च शिक्षित एवं संस्कार के साथ होने वाला ऐतिहासिक परिचय सम्मेलन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सरयूपारीण ब्राह्मण समाज सेवा संस्थान भारत के तत्वाधान में अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण परिचय सम्मेलन 28 दिसंबर 2025 रविवार को हंसराज मठ बड़ा गणपति पर किया जाएगा। सरयूपारीण ब्राह्मण समाज महिला संगठन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि समाज की 550 साल पहले के गौरवपूर्ण इतिहास को सजाते हुए समाज द्वारा समाज के युवक युवतियों के परिचय सम्मेलन किया जा रहा है। परिचय सम्मेलन हाईटेक आधार पर रहेगा। जिसमें श्री राम और माता जानकी के मिलन स्थल पुष्प वाटिका की थीम पर निर्मित किया जाएगा। इसमें समाज के हिमांशु और विजयलक्ष्मी द्वारा पुष्प वाटिका बनने का सहयोग दिया गया है। उपरोक्त परिचय सम्मेलन में पुरुष वर्ग धोती कुर्ता और गमछा पहने का साथ ही मातृ शक्तियों एक जैसी साड़ी पहनेगी और बच्चों को काउंसलिंग करते हुए मंच पर अपना परिचय देने के लिए प्रेरित किया जाएगा, पूरा परिचय सम्मेलन सरयू पारी ब्राह्मण महिला समिति द्वारा संचालित किया जाएगा, जिससे समाज के युवक युवतियों में अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जागृत किया जाएगा। महिला संगठन में श्रीमती रश्मि तिवारी, श्रीमती सरिता दुबे, श्रीमती संपदा मिश्रा, श्रीमती इंदु पांडे सम्मेलन प्रभारी, श्रीमती गीता शुक्ला, श्रीमती चंचल शुक्ला, श्रीमती पूनम शुक्ला उपस्थित थे सभी सरयूपारीण ब्राह्मण समाज की केंद्रीय इकाई में अध्यक्ष निर्मल दुबे सचिव डॉ पंकज पांडे, ओ. पी. मिश्रा, गौतम तिवारी, अनूप शुक्ला उपस्थित थे।

सम्पादकीय

क्या किसी दबाव और तनाव से गुजर रहे हैं पायलट और विमानन कंपनियों से जुड़े कर्मचारी?

यह किसी भी सार्वजनिक जगह पर एक सामान्य अपेक्षा है कि लोग नागरिक बोध और संवेदनशीलता का परिचय दें और दूसरों का भी खयाल रखें। मगर हवाईअड्डे जैसी जगह पर कोई पायलट अगर खुद ही सुरक्षा जांच पंक्ति तोड़ने की ओर ध्यान दिलाए जाने पर बेकाबू और हिंसक हो जाए, तो यह एक गंभीर और चिंताजनक स्थिति है। गौरतलब है कि दिल्ली हवाईअड्डे पर छोटा बच्चा साथ होने की वजह से एक यात्री और उसके परिवार को कर्मचारियों के लिए निर्धारित सुरक्षा जांच गेट से जाने को कहा गया था। मगर वहां कुछ कर्मचारी आगे निकलने की होड़ में थे। जब यात्री ने ऐसा करने पर टोका तो एक व्यक्ति ने उससे बदतमीजी की और उस पर हमला कर दिया। विडंबना यह है कि अपना आपा खोकर यात्री पर हमला करने वाला व्यक्ति पायलट है, जो उस वक्त ड्यूटी पर नहीं था।

यह सही है कि घटना के वक्त हमलावर हो जाने वाला पायलट उस वक्त ड्यूटी पर नहीं था, लेकिन उससे किस तरह के बर्ताव की उम्मीद की जाती है। अगर विमान में कभी बेहद विषम और उथल-पुथल से भरे हालात पैदा हो जाएं, तो ऐसे में भी ड्यूटी पर मौजूद पायलट को शांति और धीरज से काम लेना पड़ता है, परेशान यात्रियों की बातों को सुनना और उन्हें समझाना होता है। संभवतः यह पक्ष पायलट बनने के प्रशिक्षण में भी शामिल होगा। हैरानी की बात है कि एक मामूली बात पर ऐसा व्यक्ति नाहक ही हिंसक हो गया, जो खुद पायलट है और विमान उड़ाने जैसी बेहद संवेदनशील जिम्मेदारी भी निभाता है। घटना सामने आने के बाद संबंधित पायलट को ड्यूटी से हटा देने की खबर आई। मगर इस पहलू पर भी विचार करने की जरूरत है कि पायलट और विमानन कंपनियों से जुड़े कर्मचारी अव्यवस्था के बीच क्या किसी तरह के दबाव और तनाव से गुजर रहे हैं और ऐसे में कई बार आपा भी खो रहे हैं! हाल के दिनों में विमानों की उड़ान में जिस तरह की व्यापक अव्यवस्था देखी गई, उसमें यह वाकया एक और नकारात्मक संदेश देता है।

सार्वजनिक ठिकानों में बढ़ती रोमांस की घटनाएं शर्मनाक

भारत में सार्वजनिक स्थानों पर रोमांस की घटनाएं अक्सर विवादास्पद होती हैं, जिनमें सार्वजनिक स्थान पर अनुचित हरकतें करने वाले जोड़ों को पकड़े जाने की खबरें आती हैं। ऐसी घटनाओं पर जनता की प्रतिक्रियाएं तीखी होती हैं, जिसमें अक्सर हंगामा और पुलिस हस्तक्षेप शामिल होता है, और कुछ मामलों में सार्वजनिक स्थानों पर अश्लीलता से संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई हो सकती है। कुछ घटनाएं तो सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालती हैं, जैसे चलती बाइक पर रोमांस करना, जिसके कारण बड़े जुर्माने भी लगाए गए हैं।

हाल ही में मुजफ्फरपुर शहर के आरडीएस कॉलेज परिसर के पास से शनिवार की सुबह स्थानीय लोगों ने एक प्रेमी जोड़े को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा। देखते देखते मौके पर भीड़ जुट गई। वहां मौजूद कुछ युवकों ने प्रेमी युवक के साथ लप्पड़, थप्पड़ कर दिया। प्रेमिका के साथ कोई बदसलूकी नहीं की गई। हालांकि उसे भी जमकर डांटा गया। सूचना मिलने पर काजी मोहम्मदपुर थाना पुलिस वहां पहुंच गई। लोगों ने दोनों को को पुलिस के हवाले कर दिया।घटना ने उस समय रंग पकड़ा जब कुछ लोगों निस घटना का वीडियो वायरल कर दिया . ये पहली बार नहीं है कि, ऐसा कोई वीडियो वायरल हुआ है। बल्कि, इससे पहले दिल्ली मेट्रो और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी कपल्स को ऐसी अश्लीलता फैलाते हुए देखा जा चुका है। दिल्ली मेट्रो में बढ़ती ऐसी घटनाओं को लेकर तो डीएमआरसी चेतावनी भी जारी कर चुका है। हालांकि, तमाम रोक-टोक और ट्रोलिंग के बावजूद भी ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं।

दरअसल भारत में, किसी कार, सार्वजनिक स्थान पर या उसके आस-पास कहीं भी पार्किंग में सेक्स या रोमांस करना आमतौर पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 294 के तहत 'अश्लील कृत्य' के रूप में देखा जा सकता है। इस धारा के अनुसार, यदि सार्वजनिक स्थान पर कोई अश्लील कृत्य किया जाता है जिससे दूसरों को परेशानी होती है, तो यह दंडनीय अपराध हो सकता है। जिसे कारावास या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है।

किसी भी जोड़े के लिए सड़क पर, कार में, किसी भी सार्वजनिक स्थान पर, भावनाओं की सीमाओं को पार करते हुए, ऐसा कार्य करना जो लोगों के मन में शर्म पैदा करे, रोमांस करना एक बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामला है। जबकि एक रिश्ते में, एक प्रेम संबंध के दौरान, जोड़े को एक-दूसरे के करीब आना चाहिए, प्यार का इजहार करना चाहिए या शारीरिक संबंध बनाना चाहिए, यह उनके निजी जीवन और विकल्पों का हिस्सा है। हालांकि, जब यह कृत्य सार्वजनिक रूप से किया जाता है, तो इसके गंभीर कानूनी और सामाजिक परिणाम होते हैं।

आजकल आधुनिकता, फैशन के नाम पर हम सभी हदें पार कर रहे हैं, खासकर स्कूल जाने वाले छात्रों, गर्लफ्रेंड, बॉयफ्रेंड या विवाहेतर संबंधों वाले पुरुष और महिलाएं, अक्सर किसी भी दर्शनीय स्थान पर आश्रय की तलाश में रहते हैं। सुनसान जगह या अनजान जगह पर, एकांत जगह में, कार में, कैफे में, जॉगिंग ट्रैक पर, बगीचों में, मैदान में, अपनी चेतना का एहसास होता है और आसपास कौन है, क्या स्थिति है, यह भूल जाना कि हम कहां हैं, शारीरिक रूप से एक-दूसरे को छूना जहां हम नहीं होना चाहते, रोमांस करते हुए, ऐसा लगता है कि शारीरिक संबंध इन चीजों को कर रहे हैं। आज क्योंकि ऐसा करना एक तरह की फैंटेसी है, क्योंकि किसी और जगह पर कोई आसान जगह नहीं है या क्योंकि इसके लिए पैसे खर्च करने की कोई इच्छा या क्षमता नहीं है, इसलिए कई लोग कहीं न कहीं सार्वजनिक रूप से अपने प्यार को रास्ता देते हुए दिखाई देते हैं। ऐसा करते समय कितने लोगों को इसका एहसास होता है या कितने लोग इसके बारे में जानते हैं? मुझे लगता है कि इस पर विचार किया जाना चाहिए।

भारत में, कार में, सार्वजनिक स्थान पर या उसके आस-पास कहीं भी पार्किंग में सेक्स या रोमांस करना आमतौर पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 294 के तहत 'अश्लील कृत्य' के रूप में देखा जा सकता है। इस धारा के अनुसार, यदि किसी सार्वजनिक स्थान पर कोई 'अश्लील कृत्य' किया जाता है जो दूसरों को झुंझलाहट का कारण बनता है, तो यह एक दंडनीय अपराध हो सकता है, कारावास या जुर्माना, या दोनों से दंडनीय हो सकता है।स्थानीय सामाजिक नैतिकता और अदालती फैसलों के अनुसार, 'सार्वजनिक स्थान' और 'अश्लील कृत्य' की परिभाषाएं अलग-अलग मामले में भिन्न हो सकती हैं। यहां तक कि अगर कार आपका निजी स्थान है, अगर यह सार्वजनिक स्थान पर खड़ी है और यह कार्य दूसरों को दिखाई दे रहा है, महसूस किया जा रहा है, बोधगम्य या परेशान कर रहा है, पुलिस कार्रवाई कर सकती है। इस तरह के लापरवाह कृत्यों के परिणामों को समझना महत्वपूर्ण है। यदि पुलिस द्वारा पकड़ा जाता है, तो आप पर आईपीसी की धारा 294 के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है। यह रिकॉर्ड आपकी भविष्य की नौकरी या पासपोर्ट सत्यापन को प्रभावित कर सकता है। आपको पुलिस जांच और कानूनी प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उस स्थिति में पकड़ी गई महिला को सबके सामने अपमान का सामना करना पड़ता है। अगर उस जगह पर गलत प्रवृत्ति वाले लोग हैं, तो आपको ब्लैकमेल किया जा सकता है और आपसे पैसे की मांग की जा सकती है। स्कूल और कॉलेज की लड़कियां अक्सर पर्यटन स्थलों, समुद्र तटों, सार्वजनिक वाहनों में अपने दोस्तों के साथ वर्दी में देखी जाती हैं। ऐसी लड़कियों को इस तरह के व्यवहार के माध्यम से होने वाले खतरे के बारे में जागरूक होने की जरूरत है।

अक्सर ऐसे पब्लिक प्लेस पर ऐसे कपल के क्राइम होने की वजह बनता है, अगर कोई पुरुष या लड़का किसी महिला को सिर्फ अपनी शारीरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी सार्वजनिक स्थान पर ले जाता है तो यह कपल के इर्द-गिर्द अन्य गलत प्रवृत्तियों को आमंत्रित करने जैसा होता है। अक्सर स्थानीय गैंगस्टर, बदमाश या अन्य लोग स्थानीय गैंगस्टर, बदमाशों या अन्य लोगों का फायदा उठाकर उस कार में तोड़फोड़ करते हैं जहां कपल रुकता है। वे दंपति को परेशान करते हैं, अश्लील शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, दोनों को पीटा करते हैं, महिला के साथ छेड़छाड़ करते हैं, उसके साथ बलात्कार करते हैं, उससे बहुत धीमी भाषा में बात करते हैं, लोगों को इकट्ठा करते हैं और उन्हें परेशान करते हैं, कार का घेराव करते हैं, उनसे कीमती सामान छीनने जैसी घटनाएं हो सकती हैं। इससे बहुत सारे सामाजिक कलंक लग सकते हैं। अगर आप पकड़े जाते हैं तो आपकी बदनामी हो सकती है। अगर आपको अपने परिवार, दोस्तों, पड़ोसियों और काम में इसके बारे में पता चलता है, तो इसका आपकी छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। जब सुरक्षा और गोपनीयता की बात आती है, तो आप या आपका जीवनसाथी हर तरह से कमजोर हो सकते हैं। जो आपकी निजता का उल्लंघन करता है। आजकल कहीं भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जा सकते हैं।

अगर आपको लगता है कि कोई नहीं देख रहा है, तो भी हर फोन में कैमरा लगा है, पुलिस द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरे आपकी तस्वीर बना सकते हैं। ये तो पुरुष की जिम्मेदारी है कि उसके साथ जो महिला है, उसे समाज में अपमानित न करना पड़े, कोई उसे गाली न दे, अगर आप सार्वजनिक रूप से कुछ ऐसा कर रहे हैं जो आप नहीं करना चाहते हैं, तो यह अन्य लोगों को आमंत्रित करने जैसा है।

एक रिश्ते में, प्यार, शारीरिक आवश्यकता और अंतरंगता समान रूप से महत्वपूर्ण होती है, जैसा कि विश्वास, साथी की सुरक्षा, उसकी सामाजिक छवि, लेकिन दोनों का एक नैतिक कर्तव्य है। खासकर महिलाओं के लिए, यह समझना महत्वपूर्ण है कि क्या जो साथी सार्वजनिक रूप से आपके साथ अश्लील चीजें कर रहा है या आपको अश्लील हरकतें करवा रहा है, क्या वह वास्तव में आपसे प्यार करता है, क्या वह आपकी गरिमा की परवाह करता है। चाहे वह आपके साथ एक आरामदायक , सुरक्षित, यादगार बैठक करना चाहता हो या बस अपनी इच्छाओं को पूरा करना चाहता हो, बस टाइम पास के रूप में मस्ती करने के लिए, दोस्त बनाने के लिए या किसी ऐसे आदमी के साथ संबंध विकसित करने के लिए जिससे आप सड़क पर या सार्वजनिक स्थान पर मिलते हैं। किसी भी कानूनी परेशानी और खतरों से बचने के लिए, ध्यान रखें कि सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की चीजों को करना उचित नहीं है। एक निजी स्थान जैसे होटल के कमरे, रिसॉर्ट, होम स्टे, कॉटेज या किसी अच्छे पर्यटन स्थल के लिए उपलब्ध किसी भी सुरक्षित स्थान का चयन करना हमेशा सबसे अच्छा और कानूनी रूप से सुरक्षित होता है। केवल सार्वजनिक रूप से प्यार का इजहार करने की सीमाओं के बारे में स्थानीय नियमों और सामाजिक कोड को हमेशा याद रखना समय की मांग है (जैसे हाथ पकड़ना, गले लगाना)। एक्सपोजर उन्हें दूसरों के दृष्टिकोण से अश्लील यौन प्रगति बनाता है।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

धर्मशाला के स्वामित्व को लेकर विवाद

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • कतरगांव धर्मशाला के स्वामित्व को लेकर ग्राम बरलाय में एक ही समाज के दो पक्षों के बीच विवाद की स्थिति बनी। गांव के 71 परिवार वाले एक पक्ष का कहना है कि उन्होंने सन 1994 से हर फसल पर चंदा एकत्र कर गांवठान की भूमि पर धर्मशाला का निर्माण कराया था। इनके अनुसार भवन निर्माण में शासन से आंशिक अनुदान अवश्य मिला, लेकिन धर्मशाला का अधिकांश निर्माण ग्रामीणों की मेहनत, सहयोग व वर्षों की बचत से पूरा हुआ। उनका आरोप है कि दूसरे पक्ष के 17 परिवारों ने ग्राम पंचायत का सहारा लेते हुए धर्मशाला को पंचायत के नाम दर्ज कराने की मांग शासन से की है।

बिना किसी जांच व पूर्व सूचना के पंचायत सचिव ने धर्मशाला के दोनों दरवाजों पर ताले भी लगवा दिए है। यह आरोप भी लगाया कि 31 साल की मेहनत से बनाए इस भवन को अब शासन के आदेश का हवाला देकर उनसे छीना जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया वे भले ही अनपढ़ हो, लेकिन अपने समाज व भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने यह धर्मशाला तैयार की थी ताकि सामाजिक कार्यक्रमों व जरूरतों के समय इसका उपयोग किया जा सके। विवाद की स्थिति को देखते हुए मौके पर राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन दल-बल के साथ पहुंचा। इससे गांव में भय व आक्रोश का माहौल बन गया। इस मामले में सीईओ रीना चौहान ने किसी प्रकार की टिप्पणी से इनकार कर दिया। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और ग्रामीण न्याय की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय जाने की तैयारी में है।

मंडी में कपास नीलाम, फैक्ट्री में जाकर हुआ रिजेक्ट, अधिकारी पर मनमानी का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • भारत कपास निगम यानी सीसीआई के द्वारा समर्थन मूल्य पर कपास की खरीदी की जा रही हैं। इस दौरान किसानों ने सीसीआई पर अनियमितता का आरोप लगाया है। किसानों का कहना है कि, मंडी में उपज की नीलामी के दौरान ही नमी चेक करके उपज के दाम तय होते है। इसके बाद जिनिंग फैक्ट्री में तौल होता है। लेकिन तौल के दौरान ज्यादा नमी बताकर उपज को रिजेक्ट कर देते हैं। सीसीआई के अधिकारी सिर्फ पैसे की डिमांड के लिए ऐसा करते है। छैगांवदेवी के पास स्थित वर्धमान जिनिंग फैक्ट्री पर किसानों और सीसीआई के अधिकारियों के बीच कहासुनी हो गई। मौके पर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी भी पहुंचे। किसानों का कहना था कि जब मंडी में उपज की नीलामी हो गई, वहां कोई गड़बड़ी नहीं मिली। फिर फैक्ट्री लाकर तौलकांटा होने के बाद वाहन खाली होता है, तब सीसीआई के अधिकारी उपज में ज्यादा नमी बताते है और उपज का कम दाम तय कर देते है। या फिर रिजेक्ट कहकर वाहन को वापस ले जाने की बात कहते हैं।

सुलगांव से आए किसान दीलिप बोरदिया ने बताया कि, मंडी में नीलामी के दौरान मेरी उपज में कोई मिस्टेक नहीं बताई गई। फैक्ट्री में गाड़ी खाली करने आए तो ग्रेडर ने गाड़ी रोक दी। मैंने कहा कि इसमें कोई मिस्टेक नहीं है, किसान की गाड़ी है। लेकिन उन्होंने गाड़ी खाली करने से मना कर दिया। ग्रेडर ने कहा कि इसमें ज्यादा नमी है। मुझे पता चला है कि, 1500 रूपए देने पर गाड़ी खाली कर दी जाती हैं।

किसान नेता बोले- 1200 रूपए तक घटा दिए भाव

भारतीय किसान संघ के जिला महामंत्री सुभाष पटेल ने कहा कि, इस महीने में कपास की उपज सूखी है, बावजूद किसानों को परेशान किया जा रहा है। सभी जिलों में व्यवस्था ठीक चल रही है। सिर्फ खंडवा जिले में सीसीआई के अधिकारी मनमानी करते है। व्यापारियों की सभी गाड़ियां खाली हो जाती है, सिर्फ किसानों को जबरन परेशान किया जाता है।

मैंने यहां आकर देखा कि एक गाड़ी में 10 क्विंटल कपास है, मंडी में उसका मूल्य 7800 रूपए प्रति क्विंटल तय हो चुका है। यहां खाली कराने आए तो अधिकारी उसका मूल्य 6600 रूपए प्रति क्विंटल तय कर रहे हैं। सीसीआई के अधिकारी किसानों के साथ जबरदस्ती कर रहे हैं। यह उनका रोजाना का काम हो गया है।

सीसीआई इंचार्ज बोले- आरोप निराधार, गुणवत्ता में कमी

भारत कपास निगम के जिला इंचार्ज चंद्रकिशोर साकोमे का कहना है कि, मंडी में नीलामी के दौरान किसान वाहन में रखी उपज को दो चार फीट तक खुदवाते है। वहां कपास का आंकलन नहीं हो पाता है। सीसीआई का मापदंड है कि 8 से 12 प्रतिशत नमी का कपास लेना। गुल्लियां, कलीयुक्त कपास हम लोग नहीं लेते है। यह हमारे एफक्यू में नहीं आता है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन यात्रा पर भक्त रवाना

दैनिक इंदौर संकेत

बालसमुद • ग्राम खलबुजुर्ग से शनिवार को 12 ज्योतिर्लिंग तीर्थ यात्रा शुरू हुई। ग्राम के चंदन सेन, लक्ष्मी सेन, नर्मदा चौहान व रूपेश चौहान भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के लिए निकले। यह यात्रा एक माह 15 दिन चलेगी। श्रद्धालु देश के विभिन्न राज्यों में स्थित ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करेंगे। यात्रा से पहले परिजनों व ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं को तिलक लगाया और भगवान शिव से सुरक्षित व मंगलमय यात्रा की कामना की। श्रद्धालुओं ने बताया यह यात्रा उनके लिए केवल तीर्थ भ्रमण नहीं बल्कि आत्मिक शांति, साधना व आध्यात्मिक उन्नति का पथ है।

सस्पेंड सीडीपीओ इलेक्शन शाखा में अटैच, खालवा का चार्ज रिश्वत की आरोपी सुपरवाइजर को

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • महिला एवं बाल विकास विभाग की खालवा परियोजना में गंभीर अनियमितता और लापरवाही के चलते परियोजना प्रमुख नेहा यादव को सस्पेंड कर दिया गया है। इंदौर कमिश्नर ने यह कार्रवाई की है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने सस्पेंड सीडीपीओ को इलेक्शन शाखा में अटैच कर दिया है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि खाली हुए सीडीपीओ के पद का चार्ज एक ऐसी सुपरवाइजर को दे दिया गया है, जिन पर रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच चल रही है। खालवा परियोजना प्रमुख का चार्ज आंगनवाड़ी सुपरवाइजर अंजिला मोहे को सौंपा गया है। उन पर डेढ़ साल पहले झारीखेड़ा गांव की आंगनवाड़ी सहायिका कलीबाई ने रिश्वत के आरोप लगाए थे।

आरोप था कि अंजिला मोहे ने उम्र बढ़ाने के नाम पर 10 हजार रुपए की मांग की थी। इसकी शिकायत हरसूद एसडीएम से की गई थी। जांच कमेटी ने आरोपों को सही पाया था, जिसके बाद एसडीएम ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। फिलहाल इस मामले की जांच चल रही है। खंडवा का महिला एवं बाल विकास विभाग अब सवालों के घेरे में है। जिला कार्यक्रम अधिकारी रत्ना शर्मा पर आरोप हैं कि वे मप्र राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को दरकिनार कर ब्लॉक परियोजना प्रमुख जैसे अहम पद सुपरवाइजरों को सौंप रही हैं। खुद रत्ना शर्मा के खिलाफ बड़वानी में पदस्थापना के दौरान भ्रष्टाचार मामले में श्वह्रड्ड ने स्नढ्ढक्र दर्ज की थी। इस मामले में दैनिक भास्कर ने उनका पक्ष जानने के लिए कॉल किया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

प्रसव के बाद रुपए मांगने पर नर्सिंग ऑफिसर सस्पेंड
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खालवा का मामला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खालवा में प्रसूता के परिजनों से रुपए मांगने के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने एक नर्सिंग ऑफिसर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि दूसरी नर्सिंग ऑफिसर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) भोपाल को प्रस्ताव भेजा गया है। बताया गया कि ग्राम गोमुखधाना निवासी फूलवती पति संतोष काजले के प्रसव के बाद नर्सिंग ऑफिसर वर्षा वैद्य और राधा चौहान द्वारा परिजनों से रुपए की मांग की गई थी। इधर, कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खालवा में पदस्थ नर्सिंग ऑफिसर वर्षा वैद्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुनासा निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी। इसके अलावा संविदा नर्सिंग ऑफिसर राधा चौहान के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए एनएचएम भोपाल के मिशन संचालक को प्रस्ताव भेजा गया है।

उप मुख्यमंत्री ने सांसद कप खेल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

खेलों से तन मन स्वस्थ्य रहने के साथ मिलती है अनुशासन की सीख - उप मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी) • जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में 29 अगस्त से सांसद कप खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में रीवा विधानसभा क्षेत्र की सांसद कप खेल प्रतियोगिता का मार्तण्ड उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों से तन मन स्वस्थ्य रहने के साथ हमें जीवन में अनुशासन की सीख मिलती है। खेलों से प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सांसद कप प्रतियोगिता आयोजित कराके खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया है। सांसद कप खेल प्रतियोगिता में फुटबाल, कबड्डी, बालीवाल, क्रिकेट, कराटे, खो खो जैसे खेलों के साथ-साथ परंपरागत ग्रामीण खेलों जैसे गेंद गिप्पी की भी प्रतियोगिताएं हो रही हैं। सांसद कप खेल प्रतियोगिताओं का भव्य समापन 25 दिसंबर को स्पोटर्स काम्पलेक्स रीवा में किया जायेगा। स्पोटर्स काम्पलेक्स में राष्ट्रीय और विश्व स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए फुटबाल मैदान, एथलेटिक्स तथा इंडोर खेलों की सुविधा है। यह विन्ध्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए बड़ी सौगात है।

समारोह में उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। समारोह में अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र कुमार गुप्ता, श्रीमती हेमलता सिंह, संभागीय खेल अधिकारी एम के धौलपुरी तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

अगला टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे कप्तान कमिंस

एडिलेड (एजेंसी) • चोट की परवाह किए बिना एडिलेड टेस्ट में खेलने वाले आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने संकेत दिए हैं कि इसके बाद शायद अब वह इस सीरीज का कोई मैच खेलेंगे। मैच के बाद कमिंस ने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, लेकिन बाकी बची सीरीज के लिए हमें इंतजार करके देखना होगा। हमें पता था कि एशेज जीतना है, तो हमने काफी आक्रामक तैयारी की थी और हमें लगता है कि यह इसके लायक था। अब जबकि सीरीज जीती जा चुकी है, तो ऐसा लग रहा है कि काम हो गया और अब खतरे के बारे में फिर से निरीक्षण की जरूरत है। अगले कुछ दिनों में हम इस पर काम कर लेंगे, लेकिन मुझे संदेह है कि मैं शायद ही मेलबर्न टेस्ट में खेलूं।

जेमिमा की अर्द्धशतकीय पारी , टीम इंडिया ने पहले टी-20 में आठ विकेट से रौंदा श्रीलंका

विशाखापट्टनम (एजेंसी) •भारतीय महिला क्रिकेट टीम और श्रीलंका टीम के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला विशाखापत्तनम में खेला गया। इस मैच में भारत ने जेमिमा रोड्रिग्स की नाबाद अर्द्धशतकीय पारी के दम पर श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस मुकाबले में टॉस जीता और गेंदबाजी का फैसला किया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 121 रन बनाए और भारत को जीत के लिए 122 का टारगेट दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत ने 14.4 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर मैच को आसानी से जीत लिया। भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 25 रन की पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा नौ रन पर आउट हो गईं। जेमिमा रोड्रिग्स ने 34 गेंदों पर अर्द्धशतक लगाया और 44 गेंदों पर 69 रन की पारी खेलकर नाबाद रहीं। कप्तान हरमनप्रीत कौर भी इस मैच में 15 रन बनाकर नाबाद रही। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 को जीतने के बाद भारतीय महिला टीम ने एक बार फिर से जीत के साथ सीरीज की शुरुआत की। एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में स्मृति मंधाना ने जैसे ही 18 रन पूरे किए, वैसे ही उन्होंने महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय में चार हजार रन पूरे कर लिए। मंधाना महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय में इस आंकड़े तक पहुंचने वाली दूसरी ओवरऑल और पहली भारतीय हैं।

कुब्रा सैत ने सियांग नदी पर पूरा किया राफ्टिंग अभियान

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अरुणाचल प्रदेश की दुर्गम धरती से निकलने वाली सियांग नदी पर एक असाधारण राफ्टिंग अभियान पूरा किया। यह यात्रा भारत-चीन सीमा के बेहद करीब स्थित तूतिंग कस्बे से शुरू हुई। जब भारतीय सेना के जवानों ने सियांग नदी के किनारे कुब्रा और उनकी टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, उसी क्षण यह साफ हो गया था कि यह कोई सामान्य रोमांच नहीं है। सामने थी करीब 180 किलोमीटर लंबी उग्र जलधारा, सात दिनों की लगातार राफ्टिंग और वह सपना, जो पिछले सात वर्षों से साकार होने की प्रतीक्षा कर रहा था। सियांग नदी अपनी विशालता और अनिश्चित स्वभाव के लिए जानी जाती है। यह ऐसी नदी नहीं, जिसे आसानी से काबू में किया जा सके। चौड़ी, तेज़ और हर पल बदलते मिज़ाज वाली इस नदी में राफ्ट पर कदम रखना, कुब्रा के लिए अपनी सहज सीमाओं से बाहर निकलने जैसा था।

ड्रिंक एंड ड्राइव बिल्कुल नहीं करना चाहिए-नोरा

मुंबई (एजेंसी) • नोरा फतेही शनिवार को मुंबई में एक भीषण कार हादसे का शिकार हो गईं। इस हादसे में उन्हें मामूली चोटें आई हैं। नोरा ने कई वीडियो शेयर करके इस हादसे की डिटेल्स बताईं और कहा कि वह अभी भी ट्रॉमेटाइज्ड हैं। हैरानी की बात यह रही कि हादसे के कुछ ही घंटों बाद नोरा ने मुंबई में अपनी परफॉर्मेंस भी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सेहत का हाल बताते हुए इस अनुभव को 'जीवन का सबसे भयावह और दर्दनाक पल' बताया और नशे में गाड़ी चलाने वालों पर जमकर बरसीं। इस हादसे के कुछ घंटों बाद ही नोरा ने स्टेज परफॉर्मेंस दी, जो उनकी डेडिकेशन को दिखाता है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में नोरा ने इस घटना को अपनी जिंदगी का सबसे डरावना और ट्रॉमेटिक मोमेंट बताया।

उज्जैन संभाग

चाइनीज मांझे से छात्र का गला कटा, बाइक में उलझकर गले तक पहुंचा मांझा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •प्रतिबंधित चाइनीज मांझा एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ है। शनिवार को परीक्षा देकर घर लौट रहे एक छात्र का गला चाइनीज मांझे से कट गया। गंभीर हालत में छात्र को चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके गले में 10 टांके लगाए गए। घटना झारड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पिपलिया धूमा निवासी 20 वर्षीय योगेश आंजना के साथ हुई। योगेश विक्रम विश्वविद्यालय की कृषि अध्ययनशाला में एग्रीकल्चर थर्ड सेमेस्टर का छात्र है। शनिवार को परीक्षा देने के बाद वह बाइक से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान आगर रोड स्थित खिलचीपुर नाके के पास अचानक उसका गला सड़क पर लटके चाइनीज मांझे में उलझ गया। चाइनीज मांझे से गला कटते ही खून बहने लगा। योगेश ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत बाइक रोक दी, जिससे वह गिरने या और गंभीर हादसे का शिकार होने से बच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तुरंत चरक अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसके गले में 10 टांके लगाए। उपचार के बाद छात्र को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और वह अपने गांव लौट गया।

जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा चाइनीज मांझे की बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद चोरी-छिपे इसकी बिक्री जारी है। पुलिस ने शहर के विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान चलाकर बड़ी मात्रा में चाइनीज मांझा जब्त किया है और अब तक करीब आठ लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। लगातार हो रही घटनाओं ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर दिए हैं और लोगों ने चाइना मांझे पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है। पुलिस ने शनिवार को चिमनगंज मंडी थाना क्षेत्र से पकड़े करीब 23 चायनीज मांझे की रील रविवार को नष्ट की। चिमनगंज मंडी थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया ने कहा कि चायना डोर को नष्ट करने की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही जो बच्चे चायना डोर से पतंग उड़ा रहे हैं उनको पेरेंट्स के साथ लाकर समझाइश देना है। यदि नहीं मानते हैं तो उनके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। हम लिंक निकालने में लगे हैं कि आखिरकार चायना डोर आ कैसे रही है। चायना डोर को नष्ट करने में चाकू से काटने में मेहनत करना पड़ रही है तो इससे गला तो आसानी से कट सकता है। चाइनीज मांझे के शिकार की यह चौथी घटना है। 7 दिसंबर को छात्र विपुल महिवाल जीरो पॉइंट ब्रिज पर चाइनीज मांझे का शिकार हुआ था। वहीं, आगर रोड पर ही एक आठ वर्षीय बालक चाइनीज मांझे की वजह से हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर झुलस गया था। बीते वर्ष भी चाइनीज मांझे से गला कटने के कारण एक छात्रा की मौत भी हो चुकी है, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं।

इंदौर में नवंबर माह में ओमेक्स सिटी में रहने वाले 17 साल के नाबालिग गुलशन की रालामंडल बायपास पर चाइना डोर से गला कटने से मौत हो गई थी। वह अपने भाई और रिश्तेदारों के साथ बाइक पर घूमने निकला था। इसके एक सप्ताह बाद ही हाथीपाल में एक व्यापारी सादिक का भी गला चाइना डोर से कट गया था। खजराना में भी एक युवक को पैर में चाइना डोर से चोट आई थी, घटना में उसका अंगूठा कट गया था।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में बच्चे को बोरवेल से निकाला, तुरंत इलाज दिया और एम्बुलेंस तक पहुंचाया, आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा •पॉलिटेक्निक कॉलेज में शनिवार को आपदा प्रबंधन का अभ्यास किया गया। इस मॉकड्रिल में प्रशासन, पुलिस, होमगार्ड और मेडिकल टीमों ने मिलकर काम किया। इसका मकसद यह था कि अगर अचानक कोई मुसीबत आ जाए, तो उससे कैसे निपटा जाए। इस दौरान मुंबई से आई संकट मोचन बल की टीम ने भी रेस्क्यू के खास तरीके सिखाए। अभ्यास के दौरान बोरवेल में गिरे बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने की पूरी प्रक्रिया दिखाई गई। टीमों ने बच्चे को गड्ढे से निकालकर तुरंत प्राथमिक उपचार दिया और एम्बुलेंस तक पहुंचाया।

इसके बाद धरना-प्रदर्शन के दौरान होने वाली पत्थरबाजी और भगदड़ जैसी स्थिति पर काबू पाने का अभ्यास हुआ। पुलिस और फायर ब्रिगेड ने भीड़ को नियंत्रित करने और आग बुझाने का सफल प्रदर्शन किया। मॉकड्रिल के दौरान विशेषज्ञों ने बोरवेल हादसों को रोकने के लिए कुछ जरूरी सावधानियां भी बताईं। उन्होंने कहा कि किसी भी अनुपयोगी या खुले बोरवेल को कभी भी खुला न छोड़ें, उसे हमेशा लोहे के ढक्कन या कंक्रीट से मजबूती से बंद करें। बोरवेल के आसपास घेराबंदी (बाड़) जरूर करें ताकि बच्चे या जानवर वहां तक न पहुंच सकें। अगर कहीं खुला बोरवेल दिखे, तो तुरंत इसकी सूचना प्रशासन या संबंधित विभाग को दें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर सुरक्षा के लिए विशेषज्ञों ने सलाह दी कि भगदड़ जैसी स्थिति में कभी भी भीड़ के विपरीत दिशा में न भागें, बल्कि किनारे की ओर निकलने का प्रयास करें। आग लगने की स्थिति में घबराएं नहीं और तुरंत 'फायर एग्जिट' (निकासी द्वार) का इस्तेमाल करें।

मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस का प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलने के केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ रविवार को उज्जैन शहर कांग्रेस कमेटी ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर कांग्रेस कार्यालय से रैली निकालकर क्षीरसागर स्थित गांधी उद्यान पहुंचकर महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष धरना दिया और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस प्रदर्शन में शहर व जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। रैली का नेतृत्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी और जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक महेश परमार ने किया।

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता रविवार को शहर कांग्रेस कार्यालय पर एकत्रित हुए। इसके बाद हाथों में तख्तियां, बैनर और महात्मा गांधी के पोस्टर लेकर रैली निकाली गई। रैली क्षीरसागर स्थित गांधी उद्यान पहुंची, जहां गांधी जी की प्रतिमा के सामने धरना दिया गया।

धरने को संबोधित करते हुए नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मनरेगा योजना की शुरुआत की थी, जिससे गांव-गांव में लोगों को काम मिला। उन्होंने केंद्र सरकार के नए प्रावधानों की आलोचना करते हुए कहा कि अब योजना में 40 प्रतिशत बजट राज्य सरकारों पर डाला जा रहा है, जबकि कई राज्य पहले से ही आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उन्होंने इसे संघीय ढांचे के खिलाफ बताया। मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना सबसे निंदनीय कदम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार चाहे योजना से गांधी जी का नाम बदल दे, लेकिन कांग्रेस के नेताओं, कार्यकर्ताओं और देश के 140 करोड़ लोगों के दिलों से गांधी जी का नाम नहीं मिटाया जा सकता। उन्होंने कहा कि बापू पूरी दुनिया में अहिंसा के पुजारी के रूप में पहचाने जाते हैं और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

सभी कांग्रेस प्रकोष्ठों की रही भागीदारी

प्रदर्शन के दौरान शहर और जिला कांग्रेस के पदाधिकारी, सेवादल, महिला कांग्रेस, पार्षद, ब्लॉक अध्यक्ष, एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस सहित पार्टी के सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निजी वेयर हाउस में अनाज सुरक्षित नहीं, वेयर हाउस संचालक ने 1400 क्विंटल सरकारी गेहूं बेचा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदा सरकारी गेहूं निजी वेयर हाउस में सुरक्षित नहीं है। उज्जैन के एक वेयर हाउस में रखा 27 लाख से ज्यादा कीमत का 1400 क्विंटल गेहूं संचालक ने ही बेच डाला। शाजापुर के दो वेयर हाउसों में तो सरकार का करीब 8 करोड़ को गेहूं-चना सड़ गया। दोनों ही मामले की वसूली को लेकर विभाग के अफसर पसोपेश में है। वेयर हाउसिंग लॉजिस्टिक कॉरपोरेशन ने दोनों ही मामले में एफआईआर दर्ज कराते हुए कानूनी कार्रवाई कर दी, लेकिन अनाज या इसकी राशि की वसूली विभाग अब तक नहीं कर सका। वेयर हाउस संचालकों के लंबे-दांव पेंच के बाद आखिरकार विभाग ने संबंधित वेयर हाउस संचालक की संपत्ति कुर्क करते हुए वसूली करने का निर्णय लिया है, लेकिन कुर्की की कार्रवाई प्रशासनिक अफसरों के स्तर से होना है। इसको लेकर पत्राचार शुरू हो चुके है। संबंधित वेयर हाउस संचालकों को भी नोटिस देकर चेतावनी भी दे दी गई है। ज्ञात रहे वेयर हाउसों में सामने आई धांधली के मामले में वेयर हाउस कारपोरेशन उज्जैन के तात्कालीन रीजनल मैनेजर और शाखा प्रबंधक भी निलंबित हो चुके है।

महाकाल मंदिर को 111 किलो पीतल के नंदी दान किए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर मंदिर को जयपुर के एक भक्त ने 111 किलोग्राम वजनी पीतल के नंदी भेंट किए हैं। भक्त ने यह दान अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर किया। मंदिर समिति ने दानदाता का सम्मान किया। जयपुर निवासी विपिन बंसल ने पुजारी राजेश शर्मा की प्रेरणा से भगवान महाकाल को ये पीतल के नंदी समर्पित किए। इन नंदी का कुल वजन 111 किलोग्राम है। मंदिर समिति ने दानदाता विपिन बंसल को भगवान महाकाल का प्रसाद और दुपट्टा भेंटकर सम्मानित किया। मंदिर समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि इन सुंदर पीतल के नंदी को मंदिर में उचित स्थान पर स्थापित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि श्री महाकालेश्वर मंदिर में भक्त अपनी मनोकामनाएं पूरी होने पर अक्सर सोने, चांदी के आभूषण, नकद राशि या अन्य सामग्री के रूप में दान करते हैं।

इंदौर एसआईआर में 1.33 लाख मतदाताओं को नो मैपिंग के नोटिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● चुनाव आयोग का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चल रहा है। इसका पहला चरण पूरा हो चुका है। इस दौरान बीएलओ के एप ब्लॉक कर दिए गए हैं। अब 23 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन होगा। इसमें मृत, नहीं मिलने वाले और शिफ्ट हुए मतदाताओं को हटा दिया जाएगा। इंदौर जिले में इनकी संख्या 4.47 लाख है। यह जिले के कुल मतदाताओं का 15.59 फीसदी है। इंदौर में कुल 28.67 लाख मतदाता थे। इसके अलावा, 1.33 लाख मतदाताओं की नो मैपिंग है। इन्हें 23 दिसंबर से नोटिस जारी किए जाएंगे।

इंदौर एसआईआर पर एक नजर

- जिले में कुल मतदाता– 28 लाख 67 हजार 294
- डिजिटलाइज्ड– 24 लाख 20 हजार 170– यानी 84.41 फीसदी
- नो मैपिंग– 1 लाख 33 हजार 696– 4.66 फीसदी
- नहीं मिले मतदाता– 4 लाख 47 हजार 124– 15.59 फीसदी
- गायब 4.47 लाख मतदाताओं में इतने मृत

जो 4.47 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं उनकी स्थिति ऐसी है–

- मृत मतदाता– 43 हजार 741

- परमानेंट शिफ्ट– 1.97 लाख
- पहले से ही जो सूची में– 22 हजार 808
- नहीं मिले– 1.75 लाख
- अन्य जो गायब– 7 हजार 251
- इस तरह कुल 4 लाख 47 हजार 124 मतदाताओं के नाम सूची से हटेंगे।
- इंदौर की विधानसभा एक और पांच में सबसे ज्यादा मतदाता गायब
- SIR प्रक्रिया के दौरान इंदौर की विधानसभा एक व पांच में सबसे ज्यादा मतदाता गायब मिले हैं। इंदौर एक जो मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की विधानसभा है यहां 75 हजार मतदाता गायब मिले हैं। वहीं इंदौर पांच जो विधयाक महेंद्र हार्डिया की विधानसभा है यहां पर 87 हजार 591 मतदाता नहीं मिले हैं।

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध-मुख्यमंत्री

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में इन्दौर के गोल्डन इंटरनेशनल स्कूल में मध्यप्रदेश पिकलबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित 7वें नेशनल रैंकिंग पिकलबॉल टूर्नामेंट–2025 का भव्य समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पिकलबॉल जैसे उभरते हुए खेल के प्रति बढ़ती लोकप्रियता पर खुशी जाहिर की और खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न श्रेणियों (सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स) के विजेताओं और उपविजेताओं को बधाई दी। साथ ही 90 वर्षीय पिकलबॉल खिलाड़ी श्री वेंकट अय्यर के साथ अन्य खिलाड़ियों को भी को सम्मानित किया।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1, 3, 4 और राऊ में सम्पन्न हुए सम्मेलन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर आज भाजपा इंदौर नगर की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1, 3, 4 और राऊ में सम्मेलन के साथ जश्न मनाया गया। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, गोपीकृष्ण नेमा, राजीव खण्डेलवाल ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 में वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सत्तन, प्रदेश उपाध्यक्ष निशांत खरे, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 में किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, राजीव खण्डेलवाल ने राऊ विधानसभा में वरिष्ठ नेता बाबुसिंह रघुवंशी, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा, जीतू जिराती ने सम्मेलन को संबोधित किया।

डीएवीवी की भूमि पर अतिक्रमण का मामला पहुंचा राज्यपाल तक

संस्था संवाद क्रांति के अलख ने सबको किया एकजुट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) की भूमि पर लगातार हो रहे अतिक्रमण को लेकर विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी कार्यपरिषद सदस्य सहित, छात्र संगठन एकजुट हो कर दिया संवाद क्रांति का साथ। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक सुरक्षा, भविष्य की विस्तार योजनाओं और अकादमिक स्वायत्तता को खतरा बताते हुए शिक्षकों ने विश्वविद्यालय की भूमि की रक्षा के लिए ठोस एवं त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

यह पहल संवाद क्रांति के प्रदेश संयोजक पंकज प्रजापति द्वारा विश्वविद्यालय भूमि के लगातार सिमटते स्वरूप को उजागर किए जाने के बाद सामने आई है, जिसे शिक्षकों एवं शैक्षणिक समुदाय का व्यापक समर्थन मिला है। डीएवीवी के दो शिक्षक संगठनों द्वारा अलग–अलग पत्र लिखकर राज्यपाल एवं कुलाधिपति, मध्यप्रदेश शासन को अवगत कराया गया है कि बीते कुछ वर्षों में कई शासकीय व अर्धशासकीय विभागों द्वारा विश्वविद्यालय की भूमि पर बिना विधिवत प्रक्रिया के कब्जा किया गया है, जिससे दीर्घकालीन शैक्षणिक विस्तार खतरे में पड़ गया है। शिक्षकों ने चेताया है कि इन अतिक्रमणों से न केवल परिसर की सुरक्षा प्रभावित हो रही है, बल्कि नए संकाय, शोध संस्थान, छात्रावास, खेल परिसर एवं अन्य शैक्षणिक अधोसंरचना के विकास में भी गंभीर बाधा उत्पन्न हो रही है। डीएवीवी कार्यपरिषद सदस्य डॉ. वैशाली वाईकर ने कुलपति प्रो. राकेश सिंह को पत्र लिखकर मामले को राज्यपाल, मुख्य सचिव एवं संबंधित राज्य स्तरीय अधिकारियों तक ले जाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। शिक्षक संगठन के प्रो. सुरेश पाटीदार, प्रो.लक्ष्मण शिंदे ओर कर्मचारी संगठन के महेश वर्मा ने अवैध निर्माणों को हटाने, सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा भविष्य में अतिक्रमण रोकने हेतु डिजिटल भूमि मैपिंग प्रणाली लागू करने की मांग की है। साथ ही नगर निगम, पुलिस विभाग एवं लोक निर्माण विभाग सहित विभिन्न विभागों को पूर्व में आवंटित विश्वविद्यालय भूमि की समीक्षा की भी मांग उठाई गई है।

184 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी में तीर्थ गोपीकॉन एमडी महेश कुंभानी व अन्य जेल में ही रहेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश जल निगम लिमिटेड में 184 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी का मामला सामने आया था। इसमें 950 करोड़ के काम का ठेका लिया गया था। यह ठेका तीर्थ गोपीकॉन कंपनी के एमडी महेश कुंभानी और फाउंडर राहुल गुप्ता ने लिया था। महेश कुंभानी और राहुल गुप्ता को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। ऐसे में दोनों ने सीबीआई स्पेशल कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। वहीं, अब इनकी याचिका कोर्ट से खारिज कर दी गई है। अब ये दोनों आरोपी जेल में रहेंगे।

कुंभानी और गुप्ता ने इस केस में स्पेशल कोर्ट में बीएनएस के नियमों का हवाला देकर जमानत मांगी थी। इन दोनों ने कहा कि

सितंबर माह में इनकी गिरफ्तारी हुई थी। इन्हें गिरफ्तार हुए 90 दिन से ज्यादा हो चुके हैं। वहीं, बीएनएस नियमों के तहत अभी तक सीबीआई ने पूर्ण चालान पेश नहीं किया, ना ही उन्हें कॉपी दी गई है। ऐसे में उन्हें डिफाल्ट जमानत मिलनी चाहिए।

इस मामले में सीबीआई अधिवक्ता गुफरान अहमद ने कहा कि चालान दो दिसंबर को ही पेश हो चुका है। यह 90 दिन के भीतर कर दिया गया था। चालान में गवाहों की लिस्ट, दस्तावेज, साक्ष्य व अन्य सभी तथ्य लगे हुए हैं।

चालान की कॉपी आरोपियों को दी जा रही है। इस मामले में अभी भी कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी होना बाकी है। ऐसे में जमानत का अधिकार नहीं बनता है। इन सभी तर्कों को सुनने के बाद जिला कोर्ट ने जमानत का आवेदन खारिज कर दिया। इस मामले में सीबीआई ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद मामला दर्ज कर जांच की गई थी। इसमें आरोपी महेश कुंभानी, राहुल गुप्ता के साथ ही फिरोज खान, गोविंद चंद्र हंसदा, गौरव धाकड़ और तीर्थ गोपीकॉन कंपनी हैं। इनके खिलाफ धारा 420, 467, 468 और 471 में केस हुआ है। सीबीआई जांच में पता चला कि तीर्थ गोपीकॉन कंपनी बैंक मैनेजर के साथ मिलकर फर्जी गारंटी ले रही थी। दोनों मिलकर पूरी सांठगांठ से यह काम कर रहे थे। कंपनी मूल रूप से अहमदाबाद (गुजरात) की है।

कंपनी ने 453 करोड़ की जमीन का सौदा भी किया था

तीर्थ गोपीकॉन कंपनी ने मार्च–अप्रैल 2024 में इंदौर स्मार्ट सिटी के साथ डील की थी। यह डील मध्यप्रदेश की सबसे महंगी रियल एस्टेट डील थी। कंपनी ने कुक्कुट केंद्र की जमीन 453 करोड़ में खरीदने का सौदा किया था। इसमें तय हुआ था कि तीन साल में पूरी राशि दी जाएगी। वहीं, कंपनी ने एक भी किश्त नहीं भरी थी। इसके बाद, स्मार्ट सिटी बोर्ड ने यह सौदा रद्द कर दिया था।

हाउसिंग बोर्ड में टेंडर मैनेजमेंट का खेल उजागर, इंजीनियर-ठेकेदार गठजोड़ पर गिरी गाज

इंदौर ● इंदौर संकेत प्रतिनिधि

मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल एक बार फिर सवालों के घेरे में है। विकास कार्यों और टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं ने बोर्ड की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल टेंडर निरस्तीकरण तक सीमित नहीं है। यह प्रदेशभर में चल रहे कथित ठेकेदार–अफसर गठजोड़ की ओर इशारा करता है।

18 दिसंबर को हुई संचालक मंडल की बैठक में टेंडर घोटाले से जुड़े मामलों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में बोर्ड अध्यक्ष कैलाश विजयवर्गीय, आयुक्त राहुल हरिदास फटिंग, प्रमुख सचिव संजय दुबे समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद मंडल ने कड़ा रुख अपनाया। 19 दिसंबर को को जांच में दोषी पाए गए इंजीनियरों को सस्पेंड किए जाने के आदेश जारी कर दिए।

अटल कुंज, दीनदयाल नगर सेक्टर–ए, ग्वालियर में प्रस्तावित कमर्शियल कॉम्प्लेक्स की निविदा 30 अक्टूबर 2024 को जारी की गई थी। निविदा बिक्री के दौरान शर्तों में बार–बार बदलाव किए गए। इससे भ्रम की स्थिति बनी और पूरी टेंडर प्रक्रिया पर सवाल उठ गए। जांच में सामने आया कि टेंडर की शर्तों में अनियमित संशोधन किए गए। ये बदलाव पारदर्शिता के खिलाफ थे। इससे एक विशेष ठेकेदार को कथित रूप से लाभ पहुंचाने की कोशिश हुई। अंत में मुख्यालय को टेंडर निरस्त करना पड़ा। टेंडर निरस्तीकरण से नाराज ठेकेदार ने हाईकोर्ट की शरण ली। हाईकोर्ट ने मामले को बिजनेस कमेटी/संचालक मंडल के समक्ष रखकर 60 दिनों में निर्णय के निर्देश दिए। कोर्ट के आदेश के बाद बोर्ड को मजबूरी में बैठक बुलानी पड़ी। जांच में सामने आया कि इंजीनियरों और अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी की। उन्होंने ठेकेदार को अनाधिकृत लाभ पहुंचाने की कोशिश की। टेंडर प्रक्रिया को जानबूझकर लंबा खींचा गया। इससे बोर्ड के समय और संसाधनों की बर्बादी हुई। संचालक मंडल ने जांच के आधार पर दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। एस.के. सुमन, उपायुक्त (अपर आयुक्त चालूप्रभार), मुख्यालय भोपाल, नीरू राजपूत, सहायक यंत्री (कार्यपालन यंत्री चालूप्रभार), संभाग–1 ग्वालियर दोनों पर शासकीय कार्य में लापरवाही, स्वेच्छाचारिता और अनुशासनहीनता के आरोप पाए गए। आयुक्त एमपी हाउसिंग बोर्ड ने संबंधित ठेकेदारों को सस्पेंड किया है। जारी आदेशों में कहा गया कि निविदा प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कृत्य बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

अफसरों की फाइलों में उलझे सरकार के फैसले, घोषणाओं को जमीन पर उतारने में विभाग सुस्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश की डॉ.मोहन यादव सरकार ने अपने कार्यकाल के दो साल पूरे कर लिए हैं। इस दौरान सीएम ने प्रदेश को कई सौगातें दी हैं। इन सबके बीच सीएम की घोषणाओं और फैसलों को जमीन पर उतारने में प्रदेश के सभी विभाग फिसड्डी हैं। 'द सूत्र' ने जब पड़ताल की तो चौंकाने वाली स्थिति सामने आई। 11 दिसंबर 2023 को डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने की घोषणा हुई। 13 दिसंबर को उन्होंने शपथ ली। इसके बाद दो वर्षों में उन्होंने प्रदेश के 42 विभागों से जुड़े कुल 862 ऐलान किए। इनमें से अब तक 81 घोषणाएं ही पूरी तरह जमीन पर उतर सकीं हैं।

92 घोषणाएं ऐसी हैं, जिन पर काम चल रहा है या जो सतत प्रकृति की हैं, जबकि 689 घोषणाएं अब भी पेंडिंग हैं। यानी दो साल बाद भी जनता को सीधा लाभ देने वाले काम महज 10 फीसदी ही पूरे हो पाए

हैं। बाकी घोषणाएं फाइलों, बैठकों और नोटशीट्स के बीच उलझी हुई हैं। यह साफ संकेत है कि समस्या राजनीतिक इच्छाशक्ति की नहीं, बल्कि अफसरशाही की सुस्ती और गैर–जवाबदेही की है।

सीएम ने दो साल में सबसे ज्यादा ऐलान लोक निर्माण विभाग से जुड़े किए हैं। इस विभाग में 115 प्रकरण आए, लेकिन 4 पर ही अफसरों से अमल किया, जबकि 18 पूर्ण सतत की कैटेगिरी में हैं।

15 विभाग ऐसे, जहां एक भी घोषणा पूरी नहीं

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि प्रदेश में 15 विभाग ऐसे हैं, जहां मुख्यमंत्री की एक भी घोषणा जमीन पर नहीं उतरी। इन विभागों में अनुसूचित जाति कल्याण, खनिज साधन, तकनीकी शिक्षा व कौशल विकास, धार्मिक न्यास, नर्मदा घाटी विकास, परिवहन, वित्त, विधि, विमानन, सामाजिक न्याय जैसे अहम विभाग शामिल हैं। इन सभी में घोषणाएं हुईं, फाइलें चलीं, लेकिन नतीजा शून्य ही है। यह स्थिति सीधे प्रशासनिक लापरवाही और अफसरों की उदासीनता की पोल खोलती है।

93 घोषणाएं अभी अधूरी हैं। ऐसे ही नगरीय विकास एवं आवास विभाग से जुड़ी 108 घोषणाएं की गईं और सिर्फ 12 पूरी हुईं। उच्च शिक्षा विभाग की 59 घोषणाओं में से 7 पूरी हो सकी हैं। स्वास्थ्य विभाग के 52 ऐलानों में से 6 पर ही अमल किया गया है। हालांकि कुछ विभाग ऐसे हैं, जहां काम तो आगे बढ़ा है, लेकिन उनकी रफ्तार बहुत धीमी है। कई विभाग ऐसे भी हैं, जहां औपचारिक रूप से कहा जा सकता है कि काम 'चल रहा है', लेकिन हकीकत यह है कि गति इतनी धीमी है कि जनता को कोई फायदा नहीं दिखता। पर्यटन, राजस्व, जनजातीय कार्य, जल संसाधन, ऊर्जा, खेल, पंचायत–ग्रामीण विकास, कृषि, गृह, स्कूल शिक्षा जैसे विभागों में अधिकांश घोषणाएं अब भी पेंडिंग हैं। आसान शब्दों में कहें तो सीएम की घोषणाओं पर नजर रखने के लिए जो लिस्ट बनाई गई है, उसमें कामों को चार हिस्सों में बांटा गया है। हर हिस्सा यह बताता है कि घोषणा का काम किस हालत में है। इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री ने अब तक जितनी भी घोषणाएं की हैं, उनकी पूरी संख्या। यानी जितने काम करने का वादा किया गया, सबको जोड़कर जो आंकड़ा बनता है।

चर्चा तो बनती है बड़े दिनों बाद साथ नजर आए हैं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बड़े दिनों बाद लोकसभा की पूर्व स्पीकर सुमित्रा महाजन और मध्य प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एक साथ, एक मंच पर बातें करते हुए नजर आए हैं, अब चर्चा तो होना बनती है, लगातार सोशल मीडिया पर यह चर्चा चलती रहती है कि अब 'ताई–भाई' का दौर गया युवा पीढ़ी आगे नेतृत्व करने के लिए आ रही है पर युवा पीढ़ी को इस दौर के राजनेताओं से इस दौर की स्वच्छ राजनीति, आदर्श राजनीति को सीखना चाहिए, व्यक्तिगत हमलो से बचना चाहिए।

प्रदेश में अब लोन खत्म होते ही आरसी से खुद हटेगा बैंक का नाम, नहीं लगेगा एक भी पैसा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश परिवहन विभाग ने ग्राहकों की समस्या का एक हाई–टेक समाधान निकाला है। अब लोन खत्म होते ही आपकी गाड़ी की ऋष्ट (रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट) से बैंक का नाम यानी 'हाइपोथिकेशन' अपने आप हट जाएगा। इसके लिए एमपी सरकार ने नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के साथ मिलकर ऑटो हाइपोथिकेशन टर्मिनेशन (एएचटी) नाम का खास सॉफ्टवेयर बनाया है।

पहले आपको बैंक से एनओसी लेकर आरटीओ के चक्कर काटने पड़ते थे, जिसमें आपका समय और पैसा दोनों ही बर्बाद होते थे। अब, जनवरी 2026 से लोन चुकाने के बाद आरटीओ जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब एक नया डिजिटल पोर्टल सामने आया है जो सीधे बैंकों के सिस्टम से जुड़ा हुआ है। जैसे ही आप अपनी आखिरी किस्त चुका देंगे, बैंक उस जानकारी को पोर्टल पर अपडेट कर देगा। फिर आपको सिर्फ एक ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा, और बाकी का काम नया सॉफ्टवेयर खुद–ब–खुद कर देगा।

आरटीओ के चक्कर से मिली आजादी

- लोन खत्म होते ही आपकी गाड़ी की RC से बैंक का नाम खुद हट जाएगा।
- अब आपको आरटीओ के चक्कर काटने या फीस देने की जरूरत नहीं होगी।

- जनवरी 2026 से सारा काम डिजिटल और बिल्कुल फ्री में किया जाएगा।
- बैंक की जानकारी मिलते ही सॉफ्टवेयर 7 दिन में नया कार्ड बना देगा।
- RC साफ होने से आप गाड़ी आसानी से बेच पाएंगे और क्लेम ले पाएंगे।

पुराने और नए सिस्टम में अंतर

पहले के सिस्टम में आपको 75 रुपए की फीस देनी पड़ती थी, और फिर लंबी–लंबी लाइनों में लगकर दलालों के चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन अब नए सिस्टम में आपको कोई फीस नहीं देनी होगी। अब गाड़ी से बैंक का नाम हटवाना पूरी तरह फ्री हो गया है।

पहले फाइल महीनों तक ऑफिस में अटकी रहती थी, लेकिन अब आरटीओ के अधिकारियों को सिर्फ सात दिन में काम पूरा करना होगा। अगर वो देरी करते हैं, तो सॉफ्टवेयर अपने आप काम पूरा कर देगा। अब सब कुछ तेज और आसान हो जाएगा।

रजिस्ट्रेशन प्रोसेस स्टेप-बाय-स्टेप

सबसे पहले अपनी गाड़ी का पूरा लोन चुकाएं और बैंक से कन्फर्म कर लें। मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के आधिकारिक पोर्टल या नए एएचटी सेक्शन पर लॉग इन करें। गाड़ी का नंबर और चेसिस नंबर दर्ज करके रजिस्ट्रेशन शुरू करें। पोर्टल अपने आप बैंक के डेटाबेस से आपके लोन क्लियर होने की जानकारी ले लेगा। लोन खत्म होते ही आपकी फाइल ऑनलाइन आरटीओ पहुंच जाएगी। एक हफ्ते के भीतर आपकी नई और 'क्लीन' आरसी आपके घर के एड्रेस पर भेज दी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।